आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 116 | उज्जैन, बुधवार 19 मार्च 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

मध्यप्रदेश ने कृषि में किए कई नवाचार, इसलिए देश में है अव्वल-मुख्यमंत्री डॉ. यादव

तीन साल में 30 लाख किसानों को दे देंगे सोलर पम्प, किसानों से बिजली भी खरीदेंगे

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश की उर्वर धरा में खेती-किसानी लाभ का व्यवसाय है। हमने इसी दिशा में काम किया। नई कृषि विधियों को अपनाया, कई नवाचार किए। यही कारण है कि आज मध्यप्रदेश कृषि विकास के मामले में पंजाब, हरियाणा और अन्य कई राज्यों से आगे निकलकर देश में अव्वल स्थान पर है। हम खेती-किसानी और किसान दोनों की समृद्धि के लिए प्रयासरत हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में नेशनल डिफेंस कॉलेज की ओर से मध्यप्रदेश आए अध्ययन यात्रा दल को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कृषि एवं सहकारिता में मध्यप्रदेश में बीते दशकों में लगातार काम हुआ है। खेती के साथ-साथ सिंचाई पर भी हमने काम किया है। वित्त वर्ष 2002-03 तक मध्यप्रदेश में मात्र 7 लाख हेक्टेयर कृषि भूमि सिंचित थी। आज मध्यप्रदेश की 55 लाख से अधिक कृषि हेक्टेयर भूमि को हम सिंचित क्षेत्र में लेकर आए हैं। हम किसानों को सुविधा सम्पन्न बनाने की ओर बढ़ रहे हैं। अगले तीन सालों में हमारी सरकार प्रदेश के 30 लाख किसानों को न केवल सोलर पम्प देगी, वरन् उनके द्वारा उत्पादित अतिरिक्त सोलर ऊर्जा का क्रय भी करेगी। इससे किसानों को दोहरा फायदा होगा। इसके अलावा हम किसानों को मात्र 5 रूपए की राशि पर बिजली कनेक्शन भी दे रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश ऊर्जा के मामले में भी आगे है।

मैं अपने बेटे की जान की भीख मांगती हूं, मणिपुर में लापता 20 वर्षीय युवक की मां की भावुक अपील

नई दिल्ली (एजेंसी)। मणिपुर में 20 वर्षीय युवक के लापता होने के बाद से तनाव बढ़ गया है। लापता युवक की पहचान लुवांगथेम मुकेश के तौर पर हुई है। मां ने पुलिस को गुमशुदगी की रिपोर्ट दी है। मंगलवार को युवक की मां ने अधिकारियों से अपने बेटे की सकुशल वापसी की अपील की। लुवांगथेम मुकेश इंफाल पश्चिम जिले का रहने वाला है।

मुकेश रविवार दोपहर से लापता है। वह अपने घर से एक कार में निकला था। उनकी कार को आखिरी बार बिष्णुपुर जिले में चिनीकॉन के पास देखा गया था। यह इलाका कुकी बहुल कांगपोकपी जिले के नजदीक पड़ता है। लुवांगथेम मुकेश की आखिरी मोबाइल टावर लोकेशन भी नोनी जिले के जौजांगटेक इलाके मिली है। यह क्षेत्र भी कुकी बहुल हैं।

कोई मां-बाप नहीं झेल सकता बेटे को खोने का गम- युवक की मां लुवांगथेम ओंगबी ओमिला देवी ने अधिकारियों से अपने बेटे को बचाने की अपील की। उन्होंने राजधानी इंफाल में एक प्रदर्शन में भी हिस्सा लिया। इसमें सुरक्षा बलों से 20 वर्षीय मुकेश को छुड़ाने की मांग की गई है।

भारत से कम या ज्यादा, पाकिस्तान-श्रीलंका में कितना है रेल किराया? अश्विनी वैष्णव ने संसद में दी जानकारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने विपक्ष को रेलवे और रक्षा पर राजनीति से परहेज करने और भ्रामक बयान से बचने की नसीहत देते हुए दावा किया कि रेलवे में पिछले एक दशक के दौरान पांच लाख से अधिक लोगों को नौकरियां दी गई हैं। साथ ही वर्तमान में एक लाख नियुक्ति की प्रक्रिया भी चल रही है।

उन्होंने कहा कि रक्षा एवं रेलवे मंत्रालय देश की जीवनरेखा और रीढ़ की हड्डी हैं। रेल मंत्रालय के कामकाज पर राज्यसभा में सोमवार को चर्चा का जवाब देते हुए वैष्णव ने कहा कि विपक्ष का आरोप है कि रेलवे में भर्तियां नहीं हुई हैं जो भ्रामक है।

भारत में रेल किराया कम- उन्होंने दावा किया कि पड़ोसी देशों की तुलना में भारत में रेल किराया कम है। प्रथम 350 किलोमीटर की यात्रा के हिसाब से देखें तो भारत में सामान्य श्रेणी का किराया सिर्फ 121 रुपये है। पाकिस्तान में 400 रुपये और श्रीलंका में 413 रुपये है।

पश्चिमी देशों में रेल किराया तो भारत की अपेक्षा 10-20 गुना अधिक है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2020 से रेल किराए में वृद्धि नहीं हुई है।

हजारों लोग रो रहे, फ्लैट खरीदारों को परेशान करने वालों को SC ने सुनाई खरी-खरी, CBI जांच की कही बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। सर्वोच्च न्यायालय ने बैंकों और बिल्डरों के बीच कथित सांठगांठ पर चिंता व्यक्त की है। इस बीच सुप्रीम कोर्ट ने आश्वासन दिया कि मकान मालिकों की शिकायतों की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो द्वारा की जाएगी।

दरअसल, हाल के दिनों में मकान मालिकों के समूह ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। सुप्रीम कोर्ट में दायर की गई याचिका में इन मकान मालिकों ने दावा किया कि बिल्डरों और डेवलपर्स द्वारा देरी के कारण उन्हें फ्लैटों का कब्जा नहीं मिला है। ठीक उससे उलट बैंक मकान मालिकों को ईएमआई का भुगतान करने के लिए मजबूर कर रहे हैं।

मामले की सुनवाई में क्या हुआ- इस पूरे मामले की सुनवाई दो न्यायाधीशों की पीठ कर रही है। इस पीठ का नेतृत्व न्यायमूर्ति सूर्यकांत कर रहे हैं। सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने इस मामले में कहा कि हम किसी भी संस्थान को बुरा या अच्छा नहीं कहेंगे।न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि हम निश्चित रूप से सीबीआई जांच करवाएंगे, यह स्पष्ट है कि हजारों लोग रो रहे हैं। हम उनके आंसू नहीं पोंछ सकते, लेकिन हम उनके मुद्दों को हल कर सकते हैं। समयबद्ध तरीके से कुछ बहुत प्रभावी किया जाना चाहिए। कोर्ट ने कहा कि हम सीबीआई को इसके लिए रिपोर्ट देने को कहेंगे।

कोर्ट ने और क्या कहा- इस याचिका की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने बैंकों को भी आड़े हाथों लिया। सुनवाई के दौरान जस्टिस सूर्य कांत ने कहा कि हमें पूरी उम्मीद है कि इसके पीछे कोई माफिया नहीं है। वहीं, कोर्ट ने कहा कि हम किसी भी बैंक को संदेह से मुक्त प्रमाणित नहीं कर सकते।

संसद में दिए आश्वासनों को पूरा करना हमारी जिम्मेदारी...

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने सोमवार को राज्यसभा को आश्वस्त किया कि सरकार संसद के दोनों सदनों में मंत्रियों द्वारा दिए गए सभी आश्वासनों को गंभीरता से लेती है, क्योंकि यह लोकतंत्र के लिए महत्वपूर्ण है। राज्यसभा में सवालों का जवाब देते हुए रिजिजू ने कहा, हम संसदीय लोकतंत्र का महत्व समझते हैं। यह अत्यंत महत्वपूर्ण है कि आश्वासन पूरा किया जाए। यदि आश्वासन पूरे नहीं किए गए तो यह संसदीय लोकतंत्र पर एक धब्बा होगा।

आश्वासनों को पूरा करने में ढिलाई नहीं- रिजिजू ने कहा कि संसद का नियम है कि सरकार द्वारा दिए गए आश्वासनों को तीन महीने में पूरा किया जाना चाहिए। हम संसद में सरकार द्वारा दिए गए सभी आश्वासनों को गंभीरता से लेते हैं। संसद में दिए गए आश्वासनों को पूरा करने में कोई ढिलाई नहीं होनी चाहिए। यह हमारी जिम्मेदारी है। रिजिजू ने कहा कि उन्होंने हाल ही में सरकार के सभी मंत्रियों को पत्र लिखकर यह सुनिश्चित करने को कहा है कि आश्वासन समयबद्ध तरीके से पूरे हों। सांसदों द्वारा लिखे गए पत्रों का जवाब भी एक महीने के भीतर दिया जाना चाहिए। जयराम रमेश ने दिया सुझाव- संसदीय कार्य राज्य मंत्री एल. मुरुगन ने सदन को बताया कि 99 प्रतिशत आश्वासनों का क्रियान्वयन किया जा चुका है।

ट्रंप की भाषा बोल रहे मोदी, कांग्रेस ने प्रधानमंत्री पर साधा निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी पॉडकास्टर के साथ संवाद में वैश्विक संगठनों की प्रासंगिकता पर टिप्पणियों के लिए कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आलोचना की है।

कांग्रेस ने दावा किया कि प्रधानमंत्री स्पष्ट रूप से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को खुश करने के लिए अपने मार्ग से भटक रहे हैं और अपने अच्छे मित्र की बातों को दोहरा रहे हैं। कांग्रेस के संचार महासचिव जयराम रमेश ने कहा, वह (मोदी) कहते हैं कि अंतरराष्ट्रीय संगठन, जिनसे भारत को काफी लाभ हुआ है।

अब नई वैश्विक व्यवस्था की जरूरत, कश्मीर मुद्दे पर जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र को सुनाई खरी-खरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। रायसीना डायलॉग 2025 में विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र की निष्पक्षता पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि कश्मीर मुद्दे पर संयुक्त राष्ट्र ने आक्रमणकारी और पीड़ित को एक ही लाइन पर खड़ा कर दिया। उन्होंने निष्पक्ष यूएन और नई वैश्विक व्यवस्था की वकालत की।

विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र ने कश्मीर पर पाकिस्तान के आक्रमण को विवाद बना दिया। विदेश मंत्री जयशंकर ने कश्मीर के कुछ हिस्सों पर पाकिस्तान के कब्जे को दूसरे विश्व युद्ध के बाद किसी अन्य देश द्वारा सबसे लंबे समय तक किया गया अवैध अतिक्रमण करार दिया।

पाकिस्तान ने कर रखा अवैध कब्जा- जयशंकर ने एक मजबूत और निष्पक्ष संयुक्त राष्ट्र की स्थापना की वकालत की। कश्मीर पर पाकिस्तान के अवैध कब्जे का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि हमलावर और पीड़ित को एक ही श्रेणी में रखा गया है। विदेश मंत्री ने आगे कहा कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद दुनिया भर में किसी क्षेत्र पर सबसे लंबे समय तक अवैध कब्जे का अनुभव भारत ने कश्मीर में किया।

उन्होंने कहा कि 1947 में जम्मू और कश्मीर भारत का हिस्सा बन गया। इसके बाद पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर पर एकतरफा आक्रमण किया। तब से पाकिस्तान ने भारत के कुछ हिस्से पर कब्जा कर रखा है।

यूएन ने पाक के आक्रमण को विवाद में बदला- विदेश मंत्री ने आगे कहा कि पाकिस्तान के कब्जे के बाद हम संयुक्त राष्ट्र गए। यूएन ने पाकिस्तान के अवैध कब्जे की निंदा न करके बहुत बड़ी गलती की। उसने आक्रमण को विवाद में बदल दिया। हमलावर और पीड़ित के साथ एक समान व्यवहार किया गया। उन्होंने एक नई वैश्विक व्यवस्था की मांग उठाई और कहा कि वैश्विक मानदंडों और नियमों को समान रूप से लागू किया जाना चाहिए। हमें एक मजबूत संयुक्त राष्ट्र की जरूरत है। मगर एक मजबूत संयुक्त राष्ट्र के लिए एक निष्पक्ष संयुक्त राष्ट्र की आवश्यकता होगी।

क्या है रायसीना डायलॉग- रायसीना डायलॉग का आयोजन 17 से 19 मार्च तक दिल्ली में किया जा रहा है। विदेश मंत्रालय के सहयोग से ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन इसे आयोजित कर रहा है।

सूचना

दैनिक हिन्दकुश कार्यालय में रंगपंचमी पर 19 मार्च को अवकाश रहेगा अगला अंक 21 मार्च को प्रकाशित किया जायेगा।

...संपादक

कनाडा की एयरलाइन कंपनी ने फ्लाइट में IFE सिस्टम पर बदला इजरायल का नाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। एयर कनाडा ने अपने कुछ विमानों में इन-फ्लाइट एंटरटेनमेंट सिस्टम पर इजरायल को राज्य के रूप में प्रदर्शित नहीं करने के लिए माफी मांगी है। एक रिपोर्ट के अनुसार, कनाडा की एयरलाइन के बोइंग 737 MAX बेड़े ने इजरायल-हमास युद्ध के दौरान इजरायल की जगह फलस्तीनी क्षेत्र नाम रख दिया। इसको सबसे पहले एक यात्री ने देखा जिसने एयरलाइन को इसकी सूचना दी। वाहक के अनुसार, उसके 40 विमानों में गलत मानचित्र थे जिन्हें अपडेट होने के बाद निष्क्रिय कर दिया गया है। फ्रांसीसी एयरोस्पेस समूह ने कहा कि थेल्स ने प्रश्नगत IFE का उत्पादन किया था, लेकिन मैप को स्वयं एक तृतीय-पक्ष कंपनी से खरीदा गया था।

बेड़े में किया जाएगा स्थापित - एयर कनाडा और थेल्स की तरफ से जारी एक संयुक्त बयान में कहा गया है, एयर कनाडा के ध्यान में लाया गया कि उसके बोइंग 737 बेड़े का इंटरैक्टिव मानचित्र, सभी स्तरों पर इजरायल राज्य सहित कुछ मध्य पूर्वी सीमाओं को सुसंगत रूप से चित्रित नहीं करता है।

एयर कनाडा की नीति सामान्य तौर पर अपने विमानों में मानचित्रों पर केवल शहरों के नाम प्रदर्शित करने की है, और इस विशेष प्रणाली पर कॉन्फिगरेशन इस नीति के अनुरूप नहीं था। एयरलाइन थैल्स और मानचित्र प्रदाता के साथ विमानों को पुनः प्रोग्राम करने के लिए काम कर रही है और उम्मीद है कि इसे जल्द ही बेड़े में स्थापित किया जाएगा।

इजरायल को फलस्तीनी क्षेत्र में किया गया था लेबल- थैल्स एयरलाइन और संबंधित तीसरे पक्ष के साथ मिलकर काम कर रहा है ताकि इस खेदजनक मुद्दे को जल्द से जल्द ठीक किया जा सके। यह पहला मामला नहीं है जब किसी एयरलाइन को गलत नक्शों के कारण माफी मांगने के लिए मजबूर होना पड़ा हो।

2024 में, जेटब्लू ने माफी मांगी थी जब इजरायल को गलती से फलस्तीनी क्षेत्र के रूप में लेबल किया गया था। हमें इस बात के लिए खेद है कि इससे चिंता हुई है। हम आपको आश्वस्त कर सकते हैं कि जेटब्लू टीम में से कोई भी इस क्षेत्र के नक्शे को बनाने या लेबल करने में शामिल नहीं था, और हमें पहले इस मुद्दे के बारे में पता नहीं था।

एयरलाइन ने कहा कि वह दूसरे मूविंग मैप प्रदाता के पास जा रही है, और उसने पुराने प्रदाता से मानचित्र को समायोजित करने के लिए कहा है।

तुलसी गबार्ड ने बताई सच्चाई तो बांग्लादेश को लगी मिर्ची, अमेरिकी खुफिया प्रमुख की किस बात पर आगबबूला हुई यूनुस सरकार?

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश में हिंदुओं को लगातार निशाना बनाया जा रहा है। यहां तक की उनके घरों और हिंदू मंदिरों में तोड़फोड़ और आगजनी की भी कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं। अब इसी सच्चाई को अमेरिकी राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड ने पूरी दुनिया के सामने रख दिया है, जिसके बाद से यूनुस सरकार आगबबूला हो गई है।

क्या बोलीं तुलसी गबार्ड- भारत में मौजूद अमेरिकी खुफिया एजेंसी की निदेशक तुलसी गबार्ड ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं, बौद्धों, ईसाइयों और अन्य धार्मिक अल्पसंख्यकों का लंबे समय से उत्पीड़न हो रहा है। उन्होंने कहा कि इन लोगों की हत्या और उनके साथ दुर्व्यवहार की घटनाओं से अमेरिकी सरकार और राष्ट्रपति ट्रंप भी चिंतित हैं।

इस्लामी आतंकवादियों का खतरा बढ़ा- टीवी चैनल के साथ एक साक्षात्कार में गबार्ड ने बांग्लादेश में धार्मिक अल्पसंख्यकों के उत्पीड़न और हत्या का आरोप लगाया और कहा कि देश में इस्लामी आतंकवादियों का खतरा बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप के नए मंत्रिमंडल और बांग्लादेश सरकार के बीच बातचीत अभी शुरू हुई है, लेकिन यह चिंता का एक मुख्य केंद्र बना हुआ है।

प्रोफेसर मुहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यक समुदायों के कथित उत्पीड़न पर अमेरिकी राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड की टिप्पणी का खंडन किया। सरकार ने कहा कि उनकी टिप्पणी किसी सबूत पर आधारित नहीं थी।

यूनुस सरकार ने एक फेसबुक पोस्ट में कहा, गबार्ड की टिप्पणी पूरे देश को एक व्यापक और अनुचित रंग में रंगती हैं। गबार्ड का एक भारतीय टीवी चैनल को दिया गया बयान बांग्लादेश की छवि और प्रतिष्ठा को गुमराह करने वाला और नुकसान पहुंचाने वाला है।

5 दिन ऑफिस में काम नहीं करूंगी, भारतीय कर्मचारी ने लंदन में रोज काम पर जाने से किया इनकार

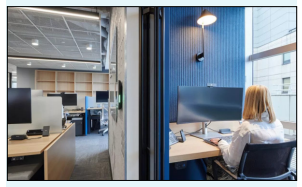

नई दिल्ली (एजेंसी)। लंदन में रहने वाली 25 साल की भारतीय महिला तरुणा विनायकिया ने ऑफिस से काम करने को लेकर एक पोस्ट की है। 25 साल की महिला ने इस बात पर जोर दिया कि वह लंदन के महंगे सफर पर अपनी पूरी आय खर्च नहीं करेगी।

लिंक्डइन पर एक वायरल पोस्ट में उन्होंने कार्यालय लौटने के आदेशों, बढ़ते खर्च और जेन-जेड पेशेवरों को प्रभावित करने वाले स्थिर वेतन के बारे में अपनी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा, मैं ऑफिस में 5 या 4 दिन काम नहीं करूंगी।

मेरी अच्छी सैलरी है लेकिन- विनायकिया ने कैरियर में उन्नति के सीमित अवसरों पर भी अपनी निराशा व्यक्त की और कहा कि टॉप पदों पर अक्सर ऐसे व्यक्ति होते हैं, जिनके रिटायर होने के कोई संकेत नहीं दिखते। उन्होंने कहा, उनकी अच्छी खासी तनख्वाह वाली नौकरी के बावजूद, वह हर महीने गुजारा करने के लिए संघर्ष करती है। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि जेन जेड कर्मचारियों को जेन एक्स और पुराने मिलेनियल्स की तुलना में वेतन और लाभ असमानताओं का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कर्मचारियों द्वारा अपनी कर-पश्चात आय का एक बड़ा हिस्सा आवागमन लागतों पर खर्च करने की प्रथा की भी आलोचना की।

नेपाल में फिर कांपी धरती, महसूस किए गए भूकंप के तेज झटके; दहशत में घरों से निकले लोग

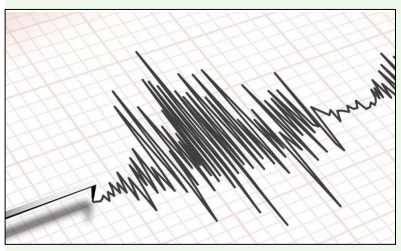

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिमी नेपाल में 4.3 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया। भूकंप से किसी तरह के नुकसान या हताहत होने की तत्काल कोई रिपोर्ट नहीं सामने आई है। राष्ट्रीय भूकंप निगरानी और अनुसंधान केंद्र ने कहा कि उसने सुबह 6:33 बजे काठमांडू से 450 किलोमीटर पश्चिम में अछाम जिले के बटुलासैन में 4.3 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया।

हालांकि, भूकंप से किसी तरह के नुकसान की तत्काल कोई रिपोर्ट नहीं है। इसके बाद लोग डरे-सहमे घर से बाहर की ओर भागे। इससे पहले 8 मार्च को पश्चिमी नेपाल के बागलुंग जिले में भी 4.1 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया था।

इससे पहले भी आया था भूकंप- देश के कई राज्यों सहित नेपाल, चीन से लेकर तिब्बत तक 7 जनवरी को तड़के भूकंप के तेज झटके महसूस हुए थे। नेपाल में तेज भूकंप आने के चलते बिहार में भी धरती डोली। बिहार के कई जिलों में इसका असर दिखा।

तिब्बत में भूकंप से सबसे ज्यादा नुकसान देखने को मिला है। वहां कई इमारतें धराशायी हो गई हैं, जिससे 32 लोगों की मौत हुई थी और 38 लोग घायल बताए गए थे।

गाजा में इजरायल की एयरस्ट्राइक से 326 लोगों की मौत, हमास बोला- सीजफायर तोड़कर बंधकों के भाग्य से खेला जा रहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। गाजा पट्टी में इजरायली सेना ने एक बार फिर हमला बोला है। नेतन्याहू की सेना के हवाई हमलों में 326 फलस्तीनियों के मारे जाने की खबर है। रॉकेट अटैक में कई बच्चों की भी जान गई है। इजरायली सेना ने एयरस्ट्राइक के बाद ये भी कहा कि गाजा में उनका सैन्य अभियान हवाई हमलों से आगे भी जारी रहेगा।

हमास कमांडरों को किया गया ढेर- इजरायली सेना ने कहा कि वह गाजा में हमास कमांडरों को ढेर करने के साथ उनके आतंकी अड्डों को भी निशाना बनाता रहेगा। सेना ने कहा कि जब तक जरूरत होगी तब तक हमले जारी रहेंगे और हवाई हमलों से आगे भी अभियान का विस्तार किया जाएगा।

हमास ने चेताया- उधर, हमास ने चेतावनी देते हुए कहा है कि गाजा में इजरायल के नए हमले युद्धविराम का उल्लंघन करते हैं और बंधकों के भाग्य को खतरे में डालते हैं।

नेतन्याहू ने बताया हमले का कारण- इजरायल ने आज गाजा पट्टी पर हवाई हमलों की झड़ी लगा दी। इजरायल ने कहा कि जनवरी में युद्ध विराम लागू होने के बाद से इस क्षेत्र में यह सबसे बड़ा हमला है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि उन्होंने युद्ध विराम को आगे बढ़ाने के लिए वार्ता में प्रगति की कमी के कारण हमलों का आदेश दिया।

सीजफायर टूटा, बंधकों की जान को खतरा- नेतन्याहू के ये भी कहा कि इजरायल अब से सैन्य शक्ति में वृद्धि के साथ हमास के खिलाफ कार्रवाई करेगा। इस हमले ने मुस्लिम पवित्र महीने रमजान के दौरान सीजफायर को तोड़ दिया और 17 महीने के युद्ध में पूरी तरह से लड़ाई की संभावना को बढ़ा दिया है।

अंतरिक्ष में नीता विलियम्स क्यों खुले रखती हैं बाल, क्या है इसके पीछे की साइंस? ट्रंप ने भी किया था कमेंट

नई दिल्ली (एजेंसी)। अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर आज शाम को पृथ्वी पर लौट आएंगे। दोनों नौ महीने से अधिक समय से अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर फंसे हुए हैं। सुनीता विलियम्स ने स्पेस में अपना समय कांटने के लिए तरह-तरह की गतिविधियों में शामिल हुई।

इस बीच उनके बालों को लेकर एक सवाल पैदा हुआ है कि वो स्पेस में हमेशा अपने बाल खुले क्यों रखती थीं। इसके पीछे की मुख्य वजह क्या है, इसके पीछे क्या साइंस है, इसके बारे में हम आपको विस्तार से बताते हैं।अंतरिक्ष यात्री अंतरिक्ष में अपने बालों का प्रबंधन कैसे करते हैं? बालों की देखभाल पृथ्वी से परे भी उतनी ही आवश्यक है जितनी कि जमीन पर।

ट्रंप ने सुनीता विलियम्स को क्या कहा- अंतरिक्ष यात्रियों के अंतरिक्ष में लंबे समय तक रहने के बारे में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान, डोनाल्ड ट्रंप ने सुनीता विलियम्स को लेकर मजाकिया अंदाज में कहा, मैं इस महिला को जंगली बालों के साथ देखता हूं, उसके बाल अच्छे और घने हैं। कोई मजाक नहीं है, उनके बालों के साथ कोई खेल नहीं है।

जबकि इंटरनेट ने इसे मीम-योग्य कंटेट के रूप में लिया, इसके बाद से उनके बालों को लेकर चर्चा जोरों पर है।

अंतरिक्ष में क्यों खुले रखते बाल- अंतरिक्ष में सुनीता विलियम्स अपने बालों को खुला रखना पसंद करती थी, क्योंकि माइक्रोग्रैविटी वातावरण में बालों को बांधने की जरूरत नहीं होती।

सुनीता विलियम्स अंतरिक्ष यान में सवार, सामान पैक किया, साथियों को लगाया गले

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुनीता विलियम्स अब धरती पर वापसी को तैयार हैं। नौ महीने से ज्यादा समय तक अंतरिक्ष में फंसे रहने के बाद, नासा की भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री सुनीता और बुच विल्मोर अंतरिक्ष यान में सवार हो चुके हैं।

17 घंटे का होगा सफर- सुनीता विलियम्स का अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) छोड़ने को लेकर नासा ने वीडियो भी शेयर किया है। अंतरिक्ष यात्रियों का ये सफर 17 घंटे का होगा और वो कल पृथ्वी पर लौटेंगे।

विल्मोर, विलियम्स और दो अन्य अंतरिक्ष यात्री आज सुबह आईएसएस से अनडॉक हो गए और कल यानी गुरुवार को सुबह 3:30 बजे अमेरिका के फ्लोरिडा तट पर उतरने वाले हैं।

स्पेसएक्स क्रू ड्रैगन से कर रहे वापसी- अंतरिक्ष यात्री दल निक हेग और रोस्कोस्मोस अंतरिक्ष यात्री अलेक्जेंडर गोरबुनोव के साथ स्पेसएक्स क्रू ड्रैगन अंतरिक्ष यान पर सवार होकर पृथ्वी पर वापस आएगा।

जैसे ही नासा लाइव हुआ, निक हेग, सुनी विलियम्स, बुच विल्मोर और अंतरिक्ष यात्री अलेक्जेंडर गोरबुनोव को क्रू9 के स्पेस स्टेशन से प्रस्थान करने की तैयारी करते हुए सामान पैक करते और हैच बंद करते हुए देखा गया।

जॉर्ज सोरोस से जुड़ी संस्थाओं पर ED का एक्शन, बेंगलुरु में 8 जगहों पर छापामारी

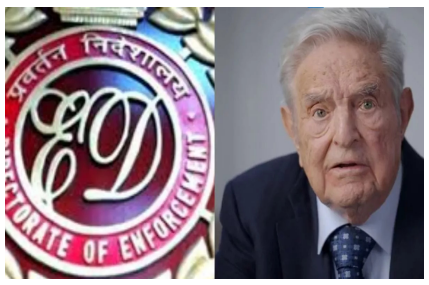

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी अरबपति जॉर्ज सोरोस से जुड़े NGO पर रेड हुई है। बेंगलुरु स्थित जॉर्ज सोरोस फाउंडेशन, ओपन सोरोस फाउंडेशन और एमनेस्टी इंटरनेशनल के दफ्तरों पर ED ने छापा मारा।

ओएसएफ ने अभी तक इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। सूत्रों ने बताया कि विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के तहत लाभार्थियों के परिसरों की तलाशी ली जा रही है, जिनमें कुछ अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार निकायों से जुड़े लोग भी शामिल हैं। एजेंसी ने एमनेस्टी और ह्यूमन राइट्स वॉच के पूर्व-वर्तमान कर्मचारियों के घरों की भी तालाशी ली।

कहां-कहां पर चल रही श्वष्ठ की छापेमारी- ईडी की प्रारंभिक जांच में यह सामने आया है कि सोरोस ओएसएफ को 2016 में गृह मंत्रालय द्वारा प्रायर रेफरेंस कैटेगरी (पूर्व संदर्भ श्रेणी) में रखा गया था। जिससे इसे भारत में एनजीओ को बिना नियमन के दान देने से रोका गया था।

इस प्रतिबंध से बचने के लिए, ओएसएफ ने भारत में अपनी सहायक कंपनियों के जरिए एफडीआई और कंसल्टेंसी फीस के नाम पर पैसे लाए और इन फंड्स का उपयोग एनजीओ की गतिविधियों को फंडिंग करने के लिए किया गया जो कि फेमा का उल्लंघन है।

ईडी अन्य एफडीआई फंड्स के उपयोग की भी जांच कर रहा है।

ईडी सोरोस इकोनॉमिक डेवलपमेंट फंड (एसईडीएफ) और ओएसएफ द्वारा लाए गए अन्य एफडीआई फंडों के अंतिम इस्तेमाल की भी जांच कर रहा है। ईडी की तलाशी में मेसर्स एस्पाडा इन्वेस्टमेंट प्राइवेट लिमिटेड पर भी तलाशी शामिल थी, जो भारत में एसईडीएफ का निवेश सलाहकार/फंड मैनेजर है और मॉरीशस इकाई की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है।

मतदान से जुड़े आंकड़ों के आने में नहीं होगी देरी, चुनाव आयोग ने बनाई नई व्यवस्था

नई दिल्ली (एजेंसी)। चुनाव के दौरान मतदान प्रतिशत के अंतिम आंकड़ों के आने में देरी पर राजनीतिक दलों की ओर से उठाए जा रहे सवालों से निपटने के लिए चुनाव आयोग ने एक अहम कदम उठाया है। जिसमें किसी भी मतदान केंद्र पर मतदाताओं की अधिकतम संख्या अब 1200 से अधिक नहीं रहेंगी। आयोग ने सभी राज्यों से ऐसे मतदान केंद्रों की पहचान करने और मतदाताओं की संख्या को अधिकतम 1200 तक ही सीमित करने के निर्देश दिए है। आयोग का मानना है कि इससे सभी मतदान केंद्रों पर तय समय के भीतर ही मतदान समाप्त हो जाएगा और सभी के समय पर आंकड़ें भी आ सकेंगे।

बिहार विधानसभा में दिखेगी नई व्यवस्था- आयोग से जुड़े उच्चपदस्थ सूत्रों की मानें तो आने वाली बिहार विधानसभा चुनाव में इसे सख्ती से अमल में लाया जाएगा। ताकि चुनाव के दौरान मतदान प्रतिशत के आंकड़ों को लेकर किसी भी तरह का संदेह पैदा न हो सके। आयोग की मानें तो मौजूदा समय में देश में बड़ी संख्या में ऐसे मतदान केंद्र है, जहां मतदाताओं की संख्या 15 सौ या उससे भी अधिक है।

खत्म होगा गर्मी का प्रकोप! इन राज्यों के लिए भयंकर बारिश की चेतावनी, तापमान में आएगी गिरावट

नई दिल्ली (एजेंसी)। गोरखपुर, बस्ती समेत पूर्वी उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में हुई ओलावृष्टि व असम और केरल में पिछले 24 घंटे में हुई बारिश के कारण मौसम काफी बदल गया है। पूर्वी भारत के ज्यादातर हिस्सों में अब हीट वेव की स्थिति में कमी आने की संभावना है।

मौसम विभाग ने बताया कि इन क्षेत्रों के अलावा पिछले 24 घंटे में पश्चिम बंगाल और सिक्किम में ओलावृष्टि हुई। हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश, केरल, अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय समेत नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में काफी तेज हवाएं देखने को मिलीं।

हीट वेव से जूझ रहे कई राज्य- मौसम विभाग के मुताबिक, झारखंड, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, विदर्भ और तेलंगाना जैसे राज्य हीट वेव की स्थिति से गुजर रहे हैं। हालांकि आने वाले दिनों में ओडिशा के अलावा अन्य जगहों पर इसमें कमी देखने को मिल सकती है।

पूर्वोत्तर भारत में अगले 5 दिनों के अंदर गरज के साथ मध्यम वर्षा और तेज हवा की संभावना जताई गई है। वहीं अरुणाचल प्रदेश में कई स्थानों पर बारिश और बर्फबारी देखने को मिल सकती है।

बारिश से सुहाना होगा मौसम- पूर्वी मध्य भारत की बात करें, तो यहां 19 से 23 मार्च के दौरान गरज, बिजली, तेज हवा और ओलावृष्टि के साथ-साथ बारिश की संभावना है।

ट्रंप की टैरिफ नीति से भारत को कितना होगा नुकसान? सरकार कर रही कैलकुलेशन

नई दिल्ली (एजेंसी)। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने सोमवार को लोकसभा में कहा कि सरकार स्टील और एल्युमीनियम आयात पर अमेरिका द्वारा लगाए गए 25 प्रतिशत शुल्क के प्रभाव का आकलन कर रही है।

मंत्री ने लिखित उत्तर में कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति की घोषणा के अनुसार अमेरिकी सरकार ने 12 मार्च से आयात शुल्क लगाया है। उन्होंने कहा, जैसा कि वाणिज्य विभाग द्वारा बताया गया है भारत पर उपरोक्त घोषणाओं के प्रभाव का आकलन किया जा रहा है।

भारत की रेटिंग बेहतर- एक अन्य प्रश्न का उत्तर देते हुए मंत्री ने कहा कि फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स की 40 सिफारिशों में से 37 में भारत को अनुपालन या काफी हद तक अनुपालन रेटिंग मिली है। तीन सिफारिशों में इसे आंशिक रूप से अनुपालन रेटिंग प्राप्त हुई तथा किसी को भी गैर-अनुपालन रेटिंग नहीं दी गई।

भारत को रेगुलर फॉलो अप श्रेणी में रखा गया, जो कि एफएटीएफ के तहत मूल्यांकन किए जा रहे किसी भी देश को दी जाने वाली सर्वोत्तम संभव रेटिंग है। जी- 20 के केवल तीन अन्य देश हैं जिन्हें यह रेटिंग प्राप्त है। यह भारत की मजबूत स्थिति को दर्शाता है।

अमेरिका को भी होगा नुकसान- कुछ लोगों का मानना ये भी है कि भारत के खिलाफ ट्रंप का टैरिफ अमेरिकियों के लिए गले की फांस बन सकताहै क्योंकि अमेरिका में दवाओं की कीमतें बढ़ सकती हैं। लाखों अमेरिकियों को अपनी दवा के लिए अधिक रकम चुकानी पड़ सकती है।

कंसल्टिंग फर्म आईक्यूवीआईए के एक अध्ययन के अनुसार, केवल 2022 में ही भारतीय जेनेरिक दवाओं से 219 बिलियन डॉलर की बचत हुई। विशेषज्ञों का कहना है कि व्यापार समझौते के बिना ट्रंप के टैरिफ कुछ भारतीय जेनेरिक दवाओं को अव्यवहारिक बना सकते हैं।

जनरेशन Z रील बनाना जानती है पर गणित नहीं..., बेंगलुरु के एक CEO ने कंपनी में हायरिंग को लेकर जताई चिंता

नई दिल्ली (एजेंसी)। GEN Z को लेकर इन दिनों चर्चा जोरों पर हैं। इस बीच बेंगलुरु स्थित CEO आशीष गुप्ता ने लिंक्डइन पर GEN Z को लेकर टिप्पणी की है। जिसमें उनके रील लाइफ के कारण रियल लाइल ज्ञान को कम आंका जा रहा है। CEO आशीष गुप्ता ने कहा, GEN Z रील्स बनाता हैं, लेकिन उसे असली गणित नहीं आता।

पोस्ट में आशीष गुप्ता ने एक असहज वास्तविकता की ओर इशारा किया, उन्होंने कहा- एक पीढ़ी जो वायरल कंटेट बनाने में तेज है। अपने हाल ही के कैंपस हायरिंग अनुभव को शेयर करते हुए, गुप्ता ने बीबीए और बीसीए जैसे स्ट्रीम से नए ग्रेजुएशन की भर्ती के लिए एक पॉपुलर इंस्टीट्यूट के सफर के बारे में बताया।

CEO आशीष गुप्ता ने पूछा सवाल- 50 से अधिक छात्रों के साथ बातचीत करते हुए, उन्होंने कक्षा 5 का एक सीधा-सादा गणित का सवाल पूछा यदि कोई कार पहले 60 किमी 30 किमी/घंटा की गति से और अगले 60 किमी 60 किमी/घंटा की गति से चलती है, तो इसकी औसत गति क्या है?

केवल दो छात्रों ने सही उत्तर दिया, जबकि बाकी को इसे हल करने में संघर्ष करना पड़ा। फिर भी, जब उनसे पूछा गया कि वे कैसे प्रोडक्ट की मार्केटिंग करेंगे, तो गुप्ता ने पाया कि वे लोग इंस्टाग्राम रील्स, वायरल कंटेंट और डिजिटल ट्रेंड के बारे में विचारों से भरे हुए थे।

आशीष गुप्ता ने कहा-इससे एक कठोर सच्चाई सामने आती है, GEN Z सोशल मीडिया पर नेविगेट करने में बहुत तेज है, लेकिन बुनियादी समस्या-समाधान, तार्किक तर्क और वित्तीय साक्षरता का अभाव है। उन्होंने आगाह किया कि अगर यह असंतुलन जारी रहा, तो यह व्यक्तिगत वित्त, निर्णय लेने और विश्लेषणात्मक चुनौतियों से निपटने में पूरी पीढ़ी को असुरक्षित बना सकता है।

25 प्रतिशत अमेरिकी ही GEN Z को रखना चाहते- जेनरेशन Z फ्रेशर्स को नियुक्त करने के बारे में भर्तीकर्ता विभाजित हैं। केवल 25 प्रतिशत अमेरिकी भर्तीकर्ता उन्हें नियुक्त करने के लिए उत्सुक हैं, जबकि 17 प्रतिशत झिझकते हैं या खुले तौर पर अनिच्छुक रहते हैं।

अब नो टेंशन! समझौते से खत्म होंगे इनकम टैक्स के मुकदमे, ED और CBI जांच कर रही तो भी मिलेगी राहत

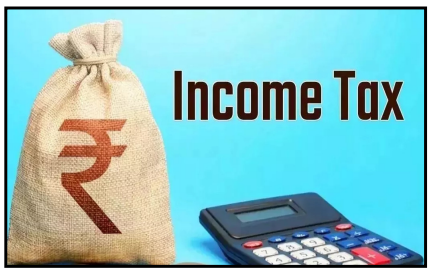

नई दिल्ली (एजेंसी)। इनकम टैक्स विवादित मामलों को पूरी तरह से निपटाने के लिए तैयार है। इनकम टैक्स से जुड़े सभी अपराधों को समझौते से खत्म करने (कंपाउंडिंग ऑफ आफेंस) योग्य बना दिया गया है। यहां तक कि अगर इनकम टैक्स से जुड़े अपराध में ईडी और सीबीआई भी छानबीन कर रही है तो उस अपराध को भी समझौते के साथ विभाग समाप्त कर सकता है।

यहां तक कि किसी को इनकम टैक्स कानून के अन्य प्रविधान के तहत दो या उससे अधिक साल के कारावास की सजा सुनाई जा चुकी है, वैसे अपराधी भी समझौते के साथ अपने अपराध माफी के लिए आवेदन कर सकेंगे।

समझौते से समाप्त होगा हर अपराध- सोमवार को इनकम टैक्स विभाग की तरफ से एक सर्कुलर जारी किया गया। हालांकि विभागीय अपराधों को समझौते से खत्म करने योग्य बनाने के संबंध में पिछले साल 17 अक्टूबर को दिशा-निर्देश जारी किए गए थे। हालांकि लोगों को इसकी जानकारी पूरी तरह से नहीं मिल पाई थी। सोमवार को जारी सर्कुलर में साफ कहा गया है कि इनकम टैक्स कानून के अंतर्गत अब ऐसा कोई अपराध नहीं रहा, जिसे समझौते के साथ समाप्त नहीं किया जा सकता है।

इनकम टैक्स से जुड़े मामलों में आएगी कमी - विभाग के मुताबिक कंपाउंडिंग ऑफ आफेंस एक मैकेनिज्म है जो अपराध करने वाले को एक निश्चित धनराशि के भुगतान के साथ उसे तमाम वैधानिक पचड़ों के साथ अपराध से मुक्त करने का अवसर देता है। इस नए सर्कुलर पर पूरी तरह अमल से इनकम टैक्स से जुड़े मामलों में भारी कमी आएगी और विभाग को बड़ी धनराशि प्राप्त हो सकती है।

अपराध को समाप्त कराने के लिए एक निश्चित शुल्क के साथ करना होगा आवेदन- अपने अपराध को समाप्त कराने के लिए अपराध करने वालों को आवेदन करना होगा। आवेदन करने के लिए एक निश्चित शुल्क देना होगा। गंभीर किस्म के अपराध में इनकम टैक्स विभाग के चेयरमैन को अपराधी के अपराध को समाप्त करने का अधिकार होगा।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

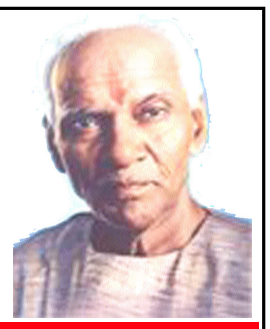

विक्रम संवत 2079 कृष्ण चतुर्थी

संपादकीय

आज अंतरराष्ट्रीय प्रवासन, मानव विकास और आर्थिक प्रगति में योगदान का एक महत्त्वपूर्ण कारक बन चुका है...

आज अंतरराष्ट्रीय प्रवासन, मानव विकास और आर्थिक प्रगति में योगदान का एक महत्त्वपूर्ण कारक बन चुका है। अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन (आइओएम) की रपट के मुताबिक विकासशील देशों में सकल घरेलू उत्पाद में उनके प्रवासी नागरिकों द्वारा भेजी जाने वाली राशि का योगदान, विदेशी प्रत्यक्ष निवेश से कहीं अधिक हो चुका है। दूसरी तरफ संघर्षों, हिंसा, प्राकृतिक और अन्य तरह की आपदाओं के कारण विस्थापितों की संख्या में रेकार्ड वृद्धि हो रही है। हाल के वर्षों में विदेशी प्रवासियों की अपने देशों को भेजी धनराशि में 650 फीसद वृद्धि दर्ज हुई है। वैसे तो दुनिया आप्रवासन, विस्थापन और लाखों शरणार्थी शिविरों के साथ हिंसाग्रस्त और संकटपूर्ण अनुभवों से गुजर रही है। हिंसा और जलवायु आपदा के सताए हुए ऐसे लगभग बारह करोड़ लोगों को, दोहरे दंड के रूप में, पहले से ही मुद्रास्फीति जैसे आर्थिक संकटों से जूझ रहे मेजबान समुदायों की शरणार्थी विरोधी दुर्भावनाओं से भी जूझना पड़ रहा है

इस समय दुनिया भर में लगभग अठाईस करोड़ दस लाख यानी वैश्विक आबादी के लगभग 3.6 फीसद लोग अंतरराष्ट्रीय प्रवासी हैं, जिनमें से करीब बारह करोड़ लोग तो विस्थापित हैं। आइओएम की इस जानकारी के मुताबि हिंसक संघर्षों से जान बचाने की कोशिश में हर तीन में से एक प्रवासी की जान चली जाती है। बीते दो वर्षों में 8,541 प्रवासी अपनी जान गंवा चुके हैं। दो-तिहाई से अधिक की शिनाख्त नहीं हो पाई है। मृत प्रवासियों बीते एक दशक में 63 हजार प्रवासियों की मौत हो चुकी है। इनमें लगभग छह हजार महिलाएं रही हैं। लगभग 27 हजार लोगों के तो अवशेष तक बरामद नहीं हो सके हैं। सबसे ज्यादा मौतें भूमध्यसागर के रास्ते हुई हैं।

संयुक्त राष्ट्र का मानना है कि 75 फीसद शरणार्थी गरीब हैं, जिनमें से केवल 50 फीसद को कोई रोजी-रोजगार मिलना संभव हो पा रहा है। उनको अक्सर खतरनाक स्थितियों से बाहर निकलने के लिए लगभग सब कुछ पीछे छोड़ना पड़ रहा है।

आगे उनके लिए अपना जीवन फिर से बनाना और अपने मेजबान समुदाय से कोई सहयोग बमुश्किल मिल पा रहा है। लगभग 22 फीसद शरणार्थी शिविरों में रह रहे हैं, जबकि अन्य 78 फीसद शहरी उपनगरीय क्षेत्रों में दिन गुजार रहे हैं। उनका जीवन असुरक्षित रहता है।

या विस्थापितों, शरणार्थियों और आप्रवासियों के लिए सुरक्षा, भोजन, पानी - बिजली और मानसिक स्वास्थ्य उनके अस्तित्वगत मुद्दे हैं। आंतरिक हिंसा और युद्धग्रस्त क्षेत्रों में, हवाई हमलों के सायरन उन्हें डराते रहते हैं। भावनात्मक स्तर पर उनकी कोई परवाह नहीं करता है। कठिनाइयां उन्हें रात-रात भर जगाए रहती हैं। ऐसे जटिल हालात में उन्हें बार-बार परिवार के साथ भागते रहना पड़ता है। भाषाई और सांस्कृतिक चुनौतियां भी पीछा करती रहती हैं। पराए मुल्क में वे में वे सामान्य संदेश भी भी नहीं समझ पाते हैं। उनके बच्चे सतत शिक्षा और खेल-कूद से वंचित रहते हैं। उनके पारिवारिक रिश्ते तक बिखर जाते हैं। इन मुश्किलों में शरणार्थी जीवन जीने की इच्छाशक्ति तक खो बैठते हैं। विकलांग विस्थापितों की तो जिंदगी तबाह हो जाती है। सरकारों की आपातकालीन सेवाओं से भी उन्हें वंचित रहना पड़ता है। लाखों शरणार्थियों की वतन वापसी का सपना प्रायः टूट जाता है।

महिलाओं को बड़ी ही जलालत भरी जिंदगी गुजारनी पड़ती है। उन्हें अक्सर दलालों की धोखाधड़ी का सामना करना पड़ता है। प्रवासन में बच्चों-बुजुर्गों की देखभाल उनके लिए एक अलग ही चुनौती होती है। कुछ दशक पहले पड़ोसी देशों के हजारों नेपालीभाषी भूटानी लोगों को अपनी मातृभूमि से भागने पर मजबूर होना पड़ा था। एक लाख से ज्यादा लोग जंगली रास्तों से भारत से नेपाल गए।

एम. ए. अय्यंगार

मदभूषी अनन्तशयनम् अय्यंगार भारत के दूसरे लोकसभा अध्यक्ष थे। लोकसभा के प्रथम अध्यक्ष जी.वी. मावलंकर के आकस्मिक निधन से पैदा हुई रिक्तता को भरने के लिए अध्यक्ष पद का दायित्व ग्रहण करके मदभूषी अनन्तशयनम् अय्यंगार ने स्वतंत्रता की उपलब्धियों तथा नव गणतंत्र में स्वस्थ संसदीय संस्कृति को विकसित करने के अधूरे कार्य को आगे बढ़ाने के लिए अपने आपको सर्वोपयुक्त सिद्ध किया। अय्यंगार ने छह दशक के अपने सार्वजनिक जीवन में, एक वकील, सामाजिक कार्यकर्त्ता तथा स्वतंत्रता सेनानी के रूप में, उत्कृष्ट सांसद तथा लोक सभा अध्यक्ष और एक प्रतिष्ठित विद्वान् के रूप में, जीवन में जिस भी कार्यक्षेत्र को चुना उसमें अपने व्यक्तित्व की अमिट छाप छोड़ी। ये बिहार के राज्यपाल भी रहे।

जीवन परिचय

मदभूषी अनन्तशयनम् अय्यंगार का जन्म 4 फ़रवरी, 1891 को आंध्र प्रदेश की आध्यात्मिक नगरी तिरुपति के निकट तिरुचाणुर में हुआ था। देवस्थानम हाई स्कूल, तिरूपति में अपनी प्रारंभिक शिक्षा पूरी करने के पश्चात् अय्यंगार उच्च शिक्षा के लिए मद्रास चले गए। पचयप्पाज कॉलेज, मद्रास से कला स्नातक की उपाधि प्राप्त करने के बाद उन्होंने 1913 में मद्रास लॉ कॉलेज से क़ानून में डिग्री प्राप्त की।

आरंभिक जीवन

अय्यंगार ने अपना जीवन गणित के अध्यापक के रूप में 1912 में आरंभ किया। 1915 में वे क़ानून के पेशे में आ गए। कुछ ही समय में वह एक पेशेवर वकील के रूप में स्थापित हो गए क्योंकि उनमें न्यायिक निर्णयों को याद रखने की अद्भुत क्षमता थी और जल्दी ही वे निर्णयजन्य विधि के चलते-फिरते सारसंग्रह के रूप में प्रख्यात हो गए। अय्यंगार इस व्यवसाय को मात्र जीविकोपार्जन का साधन नहीं मानते थे। उनकी इस बात में गहरी रुचि थी कि भारत की न्यायिक व्यवस्था में भारतीय जनता की आवश्यकताओं के अनुरूप सुधार किए जाएं, और यह मात्र अंग्रेज़ी न्यायिक प्रणाली की एक शाखा बन कर न रह जाए। अतः उन्होंने न्यायपालिका की स्वतंत्रता की जमकर वकालत की तथा भारत सरकार से फेडरल न्यायालय के स्तर को बढ़ाकर इसे उच्चतम न्यायालय का दर्जा देने की मांग की। भारतीय न्यायिक प्रणाली में अंतिम अपील का प्राधिकार इंग्लैंड की प्रिवी काउंसिल में निहित होने के कारण भारतीयों को जो कठिनाइयाँ पेश आती थीं और जिस प्रकार तिरस्कार सहना पड़ता था, उसके बारे में वह बहुत चिंतित थे। अय्यंगार एक सक्रिय वकील थे और अपने गृह नगर चित्तूर की बार एसोसिएशन के अध्यक्ष भी थे।

स्वतंत्रता आंदोलन

अय्यंगार बहुत छोटी उम्र में ही स्वतंत्रता आंदोलन में कूद पड़े थे। वे अंग्रेज़ी शासन के विरुद्ध राष्ट्रीय आंदोलन का नेतृत्व कर रही भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अपने गृह राज्य के प्रमुख नेताओं में से एक थे। गांधी जी द्वारा अंग्रेज़ी के प्रति असहयोग के लिए किए गए आह्वान के प्रत्युत्तर में अय्यंगार ने 1921-22 के दौरान एक वर्ष के लिए अपना क़ानूनी अभ्यास भी बंद कर दिया।

1934 में जब कांग्रेस ने काउंसिलों के बहिष्कार की अपनी नीति वापस ली और सेन्ट्रल लेजिस्लेटिव असेम्बली के चुनाव लड़ने का निर्णय लिया तो अय्यंगार भारी बहुमत से असेम्बली के सदस्य निर्वाचित हुए। चुनाव लड़ने के पीछे कांग्रेस का उद्देश्य यही था कि सरकार में रहकर सरकार से संघर्ष किया जाए। तथ्यों और आंकड़ों के पूर्ण जानकार और स्वाभाविक रूप से वाद-विवाद में निपुण होने के कारण अय्यंगार ने जल्द ही केन्द्रीय विधान सभा में एक सशक्त वाद-विवादकर्ता सदस्य के रूप में अपनी छवि बना ली।

वे पिछली कतार से अगली कतार में आ गए और फिर एक समय ऐसा भी आया कि ऐसा कोई दिन नहीं होता था जब वे सभा में सरकार के विरुद्ध कांग्रेस और राष्ट्रीय आंदोलन के हित में कोई जबरदस्त बात न कहते हों। सभा में अय्यंगार की इस उल्लेखनीय कार्यशैली से प्रभावित होकर एक यूरोपीय लेखक ने उनका ज़िक्र सभा के एम्डेन के रूप में किया था।

भारत छोड़ो आंदोलन

1940 और 1944 के बीच, अय्यंगार को पहले व्यक्तिगत सत्याग्रह आन्दोलन में और बाद में 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन में भाग लेने के लिए लगभग तीन वर्ष के लिए कारावास की सजा भोगनी पड़ी। अय्यंगार ने देश के राजनीतिक स्वतंत्रता आंदोलन में सक्रिय भाग लेने के अलावा समाज के दलित वर्गों के सामाजिक स्वातंत्र्य के लिए किए गए कई अन्य क्रियाकलापों में योगदान दिया। अस्पृश्यता जैसी सामाजिक बुराइयों से लड़ने के लिए गांधी जी के रचनात्मक कार्यक्रमों से प्रेरित होकर अय्यंगार मंदिर में हरिजनों का प्रवेश और अपने गृह राज्य में अस्पृश्यता का उन्मूलन सुनिश्चित करने के लिए आरंभ किए गए इस तरह के आंदोलनों में सबसे आगे रहे।

अय्यंगार ने बाद में, हरिजन सेवक संघ के अध्यक्ष की हैसियत से हरिजनों के आर्थिक एवं सामाजिक उत्थान के लिए कई कार्यक्रम शुरू किए।

राजनीतिक परिचय

अय्यंगार, आंध्र प्रदेश में कांग्रेस पार्टी के अग्रणी नेताओं में से थे और स्वतंत्रता से पूर्व उन्होंने कई महत्त्वपूर्ण पदों को सुशोभित किया। वे ज़िला कांग्रेस कमेटी, चित्तूर के अध्यक्ष रहे। बाद में, उन्हें आंध्र प्रांतीय कांग्रेस कमेटी और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के लिए निर्वाचित किया गया। 1946-47 के दौरान, वे संसद में कांग्रेस पार्टी के सचिव भी रहे।

संविधान सभा के सदस्य

अय्यंगार ने संविधान सभा के सदस्य के रूप में भी कार्य किया। संविधान सभा के संविधान निर्माण संबंधी कृत्य को इसके विधायी कृत्य से अलग करने के निर्णय के परिणामस्वरूप और बाद में जी. वी. मावलंकर के संविधान सभा (विधायी) के अध्यक्ष के रूप में निर्वाचित किए जाने पर, अय्यंगार को इसके उपाध्यक्ष पद के लिए निर्वाचित किया गया, वे संविधान सभा की संचालन समिति के भी सदस्य रहे। 1950-52 के दौरान अय्यंगार अंतरिम संसद के उपाध्यक्ष बने रहे। जब अंतरिम संसद द्वारा 1950 में पहली बार प्राक्कलन समिति का गठन किया गया तो, अय्यंगार इसके सभापति निर्वाचित किए गए। उन्होंने दक्षता से इसकी बैठकों का संचालन किया और इस समिति के लिए नाम कमाया।

प्रथम लोकसभा उपाध्यक्ष

1952 में जब पहली लोक सभा का गठन हुआ तो अय्यंगार इसके उपाध्यक्ष पद के लिए सर्वसम्मति से निर्वाचित हुए। उपाध्यक्ष के रूप में अपने कर्त्तव्यों का निर्वहन करते हुए, अय्यंगार ने दो वर्षों के लिए लोक सभा की प्राक्कलन समिति के सभापति और अगले दो वर्षों के लिए रेल अभिसमय समिति के सभापति पद का अतिरिक्त दायित्व भी संभाला।

लोकसभा अध्यक्ष

लोकसभा उपाध्यक्ष का दायित्व उन्होंने तब तक संभाला जब तक कि वह अध्यक्ष मावलंकर के अचानक निधन के पश्चात् 8 मार्च, 1956 को सर्वसम्मति से लोक सभा के अध्यक्ष निर्वाचित नहीं किए गए। लोक सभा के अध्यक्ष का सर्वोच्च पद धारण करना उनके उस विधायी जीवन का चरमोत्कर्ष था जो 1934 में केन्द्रीय विधान सभा से शुरू हुआ था। उस समय तक अय्यंगार पहले ही अपने आपको लम्बे अनुभव और संसदीय संस्थाओं के कार्यकरण और उनकी प्रक्रिया और कार्य संचालन के ज्ञान से एक मुखर और प्रभावशाली सांसद सिद्ध कर चुके थे। वह संसदीय मूल्यों को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध थे।

8 के शेयर ने कर दिया हैरान, 1 लाख के निवेश को बना दिया 1.72 करोड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय शेयर बाजार ने कई मल्टीबैगर स्टॉक दिए हैं, जिनकी वजह से निवेशकों की संपत्ति पिछले कुछ सालों में कई गुना बढ़ गई है। ऐसा ही एक मल्टीबैगर पेनी स्टॉक है- एसोसिएटेड अल्कोहल एंड ब्रेवरीज का शेयर। एसोसिएटेड अल्कोहल एंड ब्रेवरीज के शेयर की कीमत 2014 में 8 प्रति शेयर थी। अब वर्तमान में यह क्रास्थ पर 1,380 पर कारोबार कर रहा है। इसका मतलब है कि पिछले 10 सालों में स्टॉक में 1,625 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। अगर किसी निवेशक ने 10 साल पहले इस स्टॉक में 1 लाख लगाए होते और समय के साथ बनाए रखने पर यह आज बढ़कर 1.72 करोड़ हो गया होता।

बता दें कि मंगलवार को बाजार में तेजी के बावजूद एसोसिएटेड अल्कोहल्स एंड ब्रूअरीज के शेयर में करीब एक प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। सुबह 9:20 बजे, शेयर ने बीएसई पर 1,430.75 के इंट्राडे हाई को छुआ था। पिछले पांच सालों में शेयर में 814.45 प्रतिशत की उछाल के साथ लंबी अवधि के निवेशकों की संपत्ति में कई गुना बढ़ोतरी देखी गई। पिछले एक साल में ही शेयरों में 190.59 प्रतिशत की उछाल आई है। बता दें कि बाजार में उतार-चढ़ाव के बावजूद शेयर ने शानदार रिटर्न दिया है। एसोसिएटेड अल्कोहल्स एंड ब्रूअरीज के शेयर पिछले छह महीनों में 40 प्रतिशत से अधिक और एक महीने में लगभग 35 प्रतिशत चढ़ा है। साल-दर-साल आधार पर, शेयर में 24.36 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जो 1,120 से बढ़कर वर्तमान बाजार मूल्य पर पहुंच गया है।

एसोसिएटेड अल्कोहल्स एंड ब्रूअरीज लिमिटेड ने दिसंबर तिमाही के लिए 327.02 करोड़ की शुद्ध बिक्री की सूचना दी, जो एक साल पहले इसी अवधि में 190.91 करोड़ से 71.29 प्रतिशत अधिक है। कंपनी का तिमाही शुद्ध लाभ 107.56 प्रतिशत बढ़कर 26.09 करोड़ हो गया, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में 12.57 करोड़ था। ब्याज, कर, मूल्यह्रास और परिशोधन से पहले की आय 40.63 करोड़ तक पहुँच गई, जो दिसंबर 2023 में 22.11 करोड़ की तुलना में 83.76 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है।

दिवालिया की खबर से 52 वीक लो पर पहुंचा था शेयर, अब अगले ही दिन 16% चढ़ा भाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओला इलेक्ट्रिक के शेयर लगातार चर्चा में हैं। आज मंगलवार को कंपनी के शेयर 16त्न तक चढ़ गए और 54.35 रुपये के इंट्रा डे हाई पर पहुंच गए। हालांकि, शुरुआती कारोबार में यह शेयर आज 46.32 रुपये के 52 वीक लो पर पहुंच गया था। कंपनी के शेयर बीते सोमवार को 46.91 रुपये पर बंद हुए थे। कंपनी का मार्केट कैप एक दिन पहले के 20,691.20 करोड़ रुपये से 2,421.55 करोड़ रुपये बढ़कर 23,112.75 करोड़ रुपये हो गया था।

सोमवार को शेयर में 7 प्रतिशत से अधिक की गिरावट देखी गई थी, जब कंपनी ने कहा कि उसकी सब्सिडियरी कंपनी के खिलाफ दिवालिया कार्यवाही शुरू करने की मांग की गई है। दरअसल, कंपनी का व्हीकल रजिस्ट्रेशन सर्विस प्रोवाइडर रोसमेर्टा डिजिटल सर्विसेज लिमिटेड ने अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली ब्रांच ओला इलेक्ट्रिक टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ दिवालिया कार्यवाही शुरू करने की मांग की है। बता दें कि रोसमर्टा डिजिटल सर्विसेज लिमिटेड ने ओला इलेक्ट्रिक टेक्नोलॉजीज के खिलाफ नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) बेंगलुरु बेंच में याचिका दायर की है। बता दें कि दिवालियापन की कार्यवाही ऐसे समय में हो रही है जब ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी घाटे को कम करने के लिए पुनर्गठन प्रक्रिया के तहत विभिन्न कार्यों में लगभग 1,000 नौकरियों में कटौती कर रही है।

10000% से अधिक का रिटर्न, अब डिविडेंड देने का कंपनी ने किया ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले कुछ सालों के दौरान शेयर बाजार में जिन कंपनियों ने अच्छा प्रदर्शन किया है उसमें सीजी पावर एंड इंडस्ट्रीयल सॉल्यूशंस एक है। कंपनी ने डिविडेंड का ऐलान कर दिया है। जिसके लिए तय रिकॉर्ड डेट में अब ज्यादा समय नहीं बचा है। बता दें, आज सीजी पावर एंड इंडस्ट्रीयल सॉल्यूशंस के शेयरों में तेजी देखने को मिली है।

कब है रिकॉर्ड डेट- शेयर बाजारों को दी जानकारी में कंपनी ने कहा है कि 2 रुपये के फेस वैल्यू वाले एक शेयर पर योग्य निवेशकों को 1.30 रुपये का डिविडेंड दिया जाएगा। यानी हर शेयर पर योग्य निवेशकों को 65 प्रतिशत का फायदा होगा। कंपनी ने इस डिविडेंड के लिए 22 मार्च की तारीख को रिकॉर्ड डेट तय किया है। लेकिन शनिवार का दिन होने की वजह से स्टॉक मार्केट में एक दिन पहले ही यह शेयर एक्स-डिविडेंड ट्रेड करेगी। कंपनी की तरफ से योग्य निवेशकों को 16 अप्रैल या उसके बाद डिविडेंड का भुगतान कर दिया जाएगा।

सीजी पावर के शेयरों की कीमतों में आज तेजी देखने को मिली है। कंपनी के शेयर आज बीएसई में 619 रुपये के लेवल पर खुले थे। दिन में कंपनी के शेयर 4 प्रतिशत से अधिक की तेजी के साथ 639 रुपये के लेवल तक पहुंच गए।

बीते एक साल में जब कई बड़ी कंपनियों के शेयरों में गिरावट देखने को मिली। तब भी इस स्टॉक ने निवेशकों को मोटा रिटर्न दिया। एक साल में स्टॉक का भाव 35 प्रतिशत से अधिक बढ़ा है। वहीं, इसी पीरियड में कंपनी के शेयरों का भाव 3 प्रतिशत से अधिक चढ़ा है। बता दें, 2 साल में यह स्टॉक 119 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। वहीं, 5 साल में कंपनी के शेयरों का शेयरों का भाव 10000 प्रतिशत से अधिक चढ़ा है।

दिग्गज कंपनी ने फंड जुटाने का किया है ऐलान, अचानक डिमांड में आ गए शेयर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम डिजाइन और मैन्युफैक्चरिंग कंपनी-सेंटम इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयर मंगलवार को भारी डिमांड में थे। सप्ताह के दूसरे कारोबारी दिन यह शेयर करीब 20त्न बढ़कर 1609 रुपये के स्तर तक पहुंच गया। सेंटम इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयर में यह तेजी कंपनी की ओर से किए गए एक ऐलान के बाद आई है।

क्या है ऐलान- योग्य संस्थागत प्लेसमेंट (क्यूआईपी) के माध्यम से 210 करोड़ रुपये जुटाने के बाद सेंटम इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयरों में तेजी आई। प्रशांत जैन के 3पी इंडिया इक्विटी फंड ने भी क्यूआईपी में भाग लेकर सेंटम इलेक्ट्रॉनिक्स में 3.52% हिस्सेदारी (5.17 लाख से अधिक इक्विटी शेयर) हासिल की थी, जिससे कंपनी में इसकी कुल हिस्सेदारी 5.47त्न हो गई। सेंटम इलेक्ट्रॉनिक्स ने कहा कि क्यूआईपी में 18.10 लाख शेयर शामिल हैं। इसका इश्यू प्राइस 1160 रुपये प्रति इक्विटी शेयर है। यह 1,220 रुपये प्रति शेयर के फ्लोर प्राइस से करीब 60 रुपये कम है।

4 मार्च 2025 को यह शेयर 1,140.15 रुपये के निचले स्तर पर आ गया। यह शेयर के 52 हफ्ते का लो है। 19 दिसंबर 2024 को शेयर 2,400 रुपये के स्तर तक पहुंचा था। यह शेयर के 52 हफ्ते का हाई है।

पावर शेयर को खरीदने की मची लूट, 34 पर आ गया भाव, कंपनी पर नहीं है कोई भी कर्ज

नई दिल्ली (एजेंसी)। बाजार में तूफानी तेजी के बीच सप्ताह के दूसरे दिन मंगलवार को रिलायंस पावर लिमिटेड के शेयर को खरीदने की लूट मच गई। अनिल अंबानी की इस कंपनी के शेयर करीब 5 फीसदी बढ़कर 34.79 रुपये के स्तर तक पहुंच गए। मार्च 2024 में शेयर की कीमत 22.50 रुपये पर थी। यह शेयर के 52 हफ्ते का लो है। पिछले साल अक्टूबर महीने में शेयर 54.25 रुपये पर था। यह शेयर के 52 हफ्ते का हाई है। साल 2008 में रिलायंस पावर के शेयर की कीमत 275 रुपये तक पहुंच गई थी। इसके बाद कंपनी कर्ज के जाल में फंसती गई और इसके शेयर की कीमत में भी गिरावट आने लगी। एक वक्त में शेयर की कीमत 5 रुपये से कम हो गई।

रिलायंस पावर के शेयरहोल्डिंग पैटर्न की बात करें तो प्रमोटर के पास दिसंबर तिमाही तक 23.26 फीसदी हिस्सेदारी थी। पब्लिक शेयरहोल्डिंग 76.74 फीसदी की है। प्रमोटर्स में रिलायंस इंफ्रा के पास 23.18 फीसदी हिस्सेदारी है। अंबानी फैमिली के पास मामूली 0.06 फीसदी हिस्सेदारी या 22,12,425 शेयर हैं।

चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में रिलायंस समूह की कंपनी रिलायंस पावर का नेट प्रॉफिट 41.95 करोड़ रुपये रहा है। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी को 1,136.75 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। दिसंबर तिमाही में कंपनी का खर्च 2,109.56 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही के 3,167.49 करोड़ रुपये से कम है। तिमाही के दौरान कंपनी की कुल आय बढ़कर 2,159.44 करोड़ रुपये हो गई, जो एक साल पहले समान अवधि में 1,998.79 करोड़ रुपये थी।

75000 के पार पहुंचा सेंसेक्स, 14 दिन के बाद फिर खुशी से झूम उठे निवेशक

नई दिल्ली (एजेंसी)। शेयर बाजार में आज तूफानी तेजी देखने को मिल रही है। स्टॉक मार्केट आज चहक रहा है। सेंसेक्स आज फिर से 75000 के मार्क को पार करने में सफल रहा है। यह लगातार दूसरा कारोबारी दिन है जब सेंसेक्स और निफ्टी में तेजी देखने को मिली है। इससे पहले सोमवार को भी बाजार में बढ़त दर्ज की गई थी।

स्टॉक मार्केट में तेजी का फायदा निवेशकों को भी मिल रहा है। सेंसेक्स का मार्केट कैप 4.58 लाख करोड़ रुपये बढ़कर 397.38 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया। इससे पहले सोमवार को यह 392.80 लाख करोड़ रुपये पर था। बता दें, सेंसेक्स में आज 900 से अधिक अंकों की तेजी देखने को मिली है। सेंसेक्स का इंट्रा-डे हाई 2.18 मिनट तक 75,134.68 अंक रहा था। निफ्टी का इंट्रा-डे हाई 22,798.30 अंक रहा है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

एक साल से बिलासपुर में किराए के मकान में रह रहा था बांग्लादेशी, पुलिस को नहीं लगी भनक

बिलासपुर। बांग्लादेश में रहने वाला युवक अपने ही गांव की नाबालिग को भगाकर ले आया। बिलासपुर में वह देवरीखुर्द में किराए का मकान लेकर टेंट हाउस में काम कर रहा था। इसकी सूचना पर पुलिस ने युवक को गिरफ्तार कर लिया है।

आरोपित युवक के खिलाफ पॉक्सो एक्ट और विदेशी लड़की को जबरन लाने और पासपोर्ट अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई है। कोतवाली सीएसपी अक्षय प्रमोद सबद्रा ने बताया कि तोरवा क्षेत्र के देवरीखुर्द में अवैध बांग्लादेशी युवक के रहने की सूचना मिली थी।इस पर पुलिस ने देवरीखुर्द के नहरपारा में दबिश देकर बांग्लादेश के जशोर जिला अंतर्गत ग्राम तोरफ नोआपारा में रहने वाले 20 साल के हृदोय कुमार शर्मा को पकड़ लिया। पूछताछ में युवक ने बताया कि वह बांग्लादेश में ही रहने वाली नाबालिग को शादी का झांसा देकर अपने साथ लाया है।

यहां पर वह एक साल से किराए के मकान में रहकर एक टेंट हाउस में काम कर रहा है। आरोपित से नाबालिग से शादी करके अपने साथ रखा था। पूछताछ के बाद आरोपित के खिलाफ बीएनएस की धारा 141, 143, 143(4), 64(2)(एम) और 4, 6 पॉक्सो एक्ट और पासपोर्ट अधिनियम

1946 की धारा 14ए(बी) के तहत कार्रवाई की गई है।बिना दस्तावेज के मिला किराये का घर

बांग्लादेश से भागकर किसी तरह आरोपित पश्चिम बंगाल पहुंचा। वहां से अपने परिचित के माध्यम से बिलासपुर पहुंच गया। यहां पश्चिम बंगाल के कई लोग सालों से देवरीखुर्द क्षेत्र में रह रहे हैं। बंगलाभाषी होने के कारण उसे यहां पर एक झोपड़ी किराए पर मिल गई।

साथ ही उसे टेंट हाउस में काम भी दिला दिया गया था। इस दौरान उसने अपने परिचित के नाम पर एक मोबाइल सिम भी हासिल कर लिया। इससे वह अपने परिवारवालों के संपर्क में था। उसके परिवार के सदस्य बांग्लादेश में ही रह रहे हैं।

बड़ी संख्या में रहते हैं बंगलाभाषी

तोरवा थाना प्रभारी अभय सिंह बैस ने बताया कि आरोपित युवक एक साल पहले यहां पर आया था। देवरीखुर्द के नहरपारा में बड़ी संख्या में बंगलाभाषी रहते हैं। सभी लंबे समय से यहां पर रहकर रोजी मजदूरी करते हैं। कई लोगों ने यहां पर मकान भी बना लिया है।इन्हीं में से एक ने युवक को मकान उपलब्ध कराया। साथ ही उसे मोबाइल सिम दिलाया। यहां पर काम दिलाने में भी उसकी मदद की गई। युवक के पास भारतीय दस्तावेज नहीं थे। उसके पास बांग्लादेश का जन्म प्रमाण पत्र मिला है। इसे जब्त कर लिया गया है।

एनजीओ के माध्यम से मिली सूचना

सीएसपी अक्षय प्रमोद सबद्रा ने बताया कि बांग्लादेश में नाबालिग के अपहरण की शिकायत दर्ज है। वहां कार्यरत एक एनजीओ के लोगों ने नागपुर स्थित फ्रीडम फर्म नाम के सामाजिक संस्था से संपर्क किया। साथ ही युवक की जानकारी उपलब्ध कराई।

इसके बाद एनजीओ के सदस्य रविवार को बिलासपुर पहुंचे। यहां पुलिस के अधिकारियों से संपर्क कर पूरे मामले की जानकारी दी। इसके बाद तोरवा पुलिस की टीम ने देवरीखुर्द में दबिश देकर आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है।

यूपीएससी में ईडब्ल्यूएस को आयु सीमा में नहीं मिलेगी छूट

जबलपुर। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सुरेश कुमार कैत व न्यायमूर्ति विवेक जैन की युगलपीठ ने आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग यानि ईडब्ल्यूएस को आयु सीमा में पांच वर्ष की छूट दिए जाने की मांग के मामले में सुनवाई पूरी होने के बाद पूर्व में सुरक्षित किया गया आदेश सुना दिया।

कोर्ट ने 20 याचिकाओं की संयुक्त सुनवाई करते हुए दोनों पक्षों की बहस के मूलभूत बिंदुओं को अभिलेख पर लिया था। इसी के साथ अपना निर्णय सुरक्षित कर लिया था। जिसे सार्वजनिक करते हुए मांग अस्वीकार कर दी।दरअसल, सतना निवासी आदित्य नारायण पांडे सहित 20 ईडब्ल्यूएस अभ्यर्थियों की ओर से याचिकाएं दायर की गई थीं। उनकी ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल सहित अन्य ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए पक्ष रखा था।

इन्होंने रखा पक्षआशुतोष चौबे व काशी प्रसाद शुक्ला एवं अन्य और प्रदीप कुमार मिश्रा सहित अन्य की याचिकाओं में वरिष्ठ अधिवक्ता रामेश्वर सिंह ठाकुर, विनायक प्रसाद शाह, रमेश प्रजापति, एस कौल ने पक्ष रखा था।

वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने दलील दी थी कि जिस तरह पूर्व में माध्यमिक व प्राथमिक शिक्षक भर्ती परीक्षा में ईडब्ल्यूएस को पांच वर्ष की आयु सीमा की छूट का लाभ दिया गया था, उसी तरह संघ लोक सेवा आयोग यानि यूपीएससी की सिविल सर्विसेज परीक्षा-2025 के ईडब्ल्यूएस अभ्यर्थियों को भी मिलना चाहिए।ऐसा इसलिए भी क्योंकि ईडब्ल्यूएस भी एससी, एसटी व ओबीसी की भांति आयु सीमा में छूट के लाभ के अधिकारी हैं। केंद्र सरकार को निर्देश दिया जाए कि वह केंद्रीय भर्तियों में अन्य वर्गों की भांति ईडब्ल्यूएस को भी आयु सीमा में छूट का प्रविधान करे।

कराने पर ही मिलेगा बिजली उपभोक्ताओं को योजनाओं का लाभ, मध्य प्रदेश के 16 जिलों काम पूरा

भोपाल। प्रदेश में ईकेवायसी कराने पर ही बिजली उपभोक्ताओं को शासकीय योजनाओं का लाभ मिलेगा।इसके लिए बिजली कंपनी द्वारा सतत प्रक्रिया के तहत ईकेवायसी करवाई जा रही है।जिसके तहत मध्यक्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के राजधानी सहित 16 जिलों में कुल छह लाख 82 हजार 742 उपभोक्ताओं ने ईकेवायसी करवा ली है।भोपाल में एक लाख से अधिक दर्ज हुईं ईकेवायसीराजधानी में एक लाख से अधिक उपभोक्ताओं ने ईकेवायसी करवा ली है। इनमें ग्रामीण क्षेत्र में 38 हजार 800 और शहरी क्षेत्र में 63 हजार 781 उपभोक्ता शामिल हैं।

जबकि नर्मदापुरम ग्रामीण में 72 हजार, बैतूल ग्रामीण में 91 हजार 434, राजगढ़ ग्रामीण में 53 हजार 236, गुना ग्रामीण में 32 हजार 389, विदिशा ग्रामीण में 50 हजार 725, सीहोर ग्रामीण में 24 हजार 254, ग्वालियर ग्रामीण में 21 हजार 115, शहर वृत्त ग्वालियर में 47 हजार 300

अशोकनगर ग्रामीण में 26 हजार 384, दतिया ग्रामीण में 25 हजार 390, रायसेन ग्रामीण में 44 हजार 105, शिवपुरी ग्रामीण में 26 हजार 048, हरदा ग्रामीण में 20 हजार 993

श्योपुर ग्रामीण में 09 हजार 695, मुरैना ग्रामीण में 24 हजार 119 और भिंड ग्रामीण में 10 हजार 973 बिजली उपभोक्ताओं की ईकेवायसी की गई है।नो योर कंज्यूमर (केवायसी)बिजली कंपनी द्वारा 16 जिलों के बिजली उपभोक्ताओं के बिजली संबंधी व्यक्तिगत विवरण को कंपनी के रिकार्ड में अपडेट करने के लिए नो योर कंज्यूमर (केवायसी) प्रक्रिया शुरू की है।कंपनी द्वारा इस प्रक्रिया के तहत बिजली उपभोक्ताओं की व्यक्तिगत जानकारी जैसे समग्र आइडी, मोबाइल नंबर, बैंक खाता आदि की जानकारी को अपडेट किया जा रहा है।

जल्द बढ़ सकता है महंगाई भत्ता, लाखों केंद्रीय कर्मचारियों को मिलेगा बंपर फायदा

भोपाल। केंद्र सरकार के कर्मचारियों के महंगाई भत्ते (डीए) और महंगाई राहत (डीआर) में बढ़ोतरी की घोषणा करने की संभावना है, जिससे एक करोड़ से अधिक केंद्र सरकार के कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को बहुत जरूरी राहत मिलेगी। इस कदम का कर्मचारियों के वेतन और सेवानिवृत्त कर्मचारियों की पेंशन पर सीधा असर पड़ेगा। कैबिनेट बैठक के बाद 19 मार्च को डीए बढ़ोतरी की घोषणा होने की संभावना केंद्र सरकार लंबे समय से डीए बढ़ोतरी पर विचार कर रही है। शुरुआत में यह अनुमान लगाया जा रहा था कि इसकी घोषणा होली से पहले हो सकती है।लेकिन हालिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कैबिनेट 19 मार्च, 2025 को अपनी अगली बैठक में इस पर अंतिम फैसला ले सकती है।

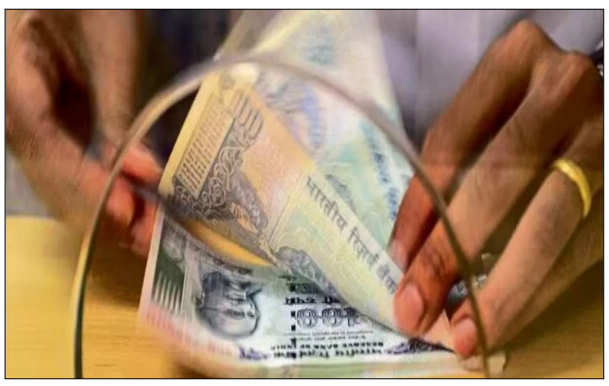

अगर इसे मंजूरी मिल जाती है तो देश भर के लाखों सरकारी कर्मचारियों और सेवानिवृत्त लोगों को इसका फायदा मिलेगा।12त्न बढ़ोतरी की उम्मीद सरकार कथित तौर पर डीए को मौजूदा 53त्न से बढ़ाकर 55त्न करने की योजना बना रही है, यानी 2त्न की बढ़ोतरी।सरकारी कर्मचारी के वेतन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा महंगाई भत्ता होता है, जिसे मुद्रास्फीति से निपटने में मदद के लिए साल में दो बार जनवरी और जुलाई में संशोधित किया जाता है।

महंगाई भत्ता सरकारी कर्मचारियों के वेतन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसे बढ़ती महंगाई से राहत देने के लिए हर साल दो बार (जनवरी और जुलाई) में संशोधित किया जाता है।डीए बढ़ोतरी जनवरी 2025 में लागू होगी, बकाया का आकलन किया जाएगा

चूंकि अद्यतन डीए 1 जनवरी, 2025 से लागू होने की उम्मीद है, इसलिए जनवरी से मार्च 2025 तक का बकाया कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को भुगतान किया जाएगा।

अक्टूबर 2024 में हाल ही में 3त्न की बढ़ोतरी के बाद, डीए को 1 जुलाई, 2024 से 50त्न से बढ़ाकर 53त्न कर दिया गया है।अब सभी की निगाहें 19 मार्च को होने वाली कैबिनेट बैठक पर टिकी हैं, जहां सरकार यह तय करेगी कि बढ़ोतरी को 2त्न पर जारी रखा जाए या अधिक राहत देने के लिए इसे और बढ़ाया जाए।

धार जिले में बनेगा डायनोसोर नेशनल पार्क एवं सरदारपुर वन्यजीव अभ्यारण्य

इंदौर। संभागायुक्त श्री दीपक सिंह की अध्यक्षता में आज संभागायुक्त कार्यालय में डायनोसोर नेशनल पार्क एवं सरदारपुर वन्यजीव अभ्यारण्य के संबंध में बैठक सम्पन्न हुई। वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित इस बैठक में धार कलेक्टर श्री प्रियंक मिश्र, उपायुक्त श्रीमती सपना लोवंशी, जिला वन मंडलाधिकारी सहित पंचायत एवं वन विभाग के अधिकारी शामिल हुए।

बैठक में संभागायुक्त श्री सिंह ने बताया कि धार जिले के बाग तहसील में डायनोसोर नेशनल पार्क बनेगा। इस पार्क के चारों और बोरकुरी, रिसावाला, बयादीपुरा (पाडलिया) और गंगकुई (जामनियापुरा) ग्राम हैं। यह नेशनल पार्क भी अन्य नेशनल पार्कों की तरह इको सेंसेटिव झोन के अंतर्गत है। यह क्षेत्र वन्य जीव संरक्षण और पर्यावरण की दृष्टि से भी संरक्षित क्षेत्र है। यह नेशनल पार्क भोपाल और मेघनगर रोड़ के बीच में होगा। मेघनगर रेल्वे स्टेशन से इसकी दूरी 95 किलो मीटर होगी, जबकि इंदौर रेल्वे स्टेशन से 152 किलो मीटर और भोपाल रेल्वे स्टेशन से दूरी 350 किलो मीटर होगी। इस नेशनल पार्क के आसपास बड़केश्वर महादेव मंदिर, हनुमान मंदिर, ऐतिहासिक बाग गुफाएं और किले हैं, जो पर्यटकों को यहां आने के लिये आकर्षित करेंगे। इस नेशनल पार्क में शीशम, नीम, आंवला सहित हजारों प्रजातियों के आयुर्वेदिक एवं औषधीय पेड़ होंगे, वहीं सियार, लोमड़ी जैसे वन्य जीव भी होंगे।

पर्यटकों की दृष्टि से भी यह पार्क सबको लुभाएगा। वर्तमान में यहां सालाना 15 हजार से अधिक पर्यटक आतें है। पार्क बन जाने के बाद पर्यटकों की संख्या में तेजी से वृद्धि होगी। इस क्षेत्र में घूमने का सबसे श्रेष्ठ समय अक्टूबर से लेकर दिसम्बर तक का होता है। उस समय तीन-चार गुना अधिक पर्यटक आतें हैं। वीकेंड पर भी संख्या बढ़ जाती है।

संभागायुक्त श्री सिंह ने बताया कि डायनोसोर नेशनल पार्क को बनाते समय इस बात का पूरा ध्यान रखा जायेगा कि आदिवासी समाज के अधिकारों का हनन नहीं हो। क्योंकि इस क्षेत्र में आदिवासी समाज बहुसंख्यक में है। इसलिये उनकी परम्परा, त्यौहार, उत्सव आदि का विशेष ध्यान रखा जायेगा। पार्क के माध्यम से प्रकृति संरक्षण का विशेष ध्यान रखा जायेगा। पार्क के समीप ऐसी गतिविधियां चलाई जायेगी जिससे प्रकृति को भी नुकसान नहीं पहुंचे और आदिवासी समाज को भी रोजगार मिल सके। क्षेत्र में बाग प्रिंट को बढ़ावा दिया जायेगा और युवाओं का स्कील डेवलपमेंट किया जायेगा।

बैठक में सरदारपुर वन्यजीव अभ्यारण्य पर भी विस्तार से चर्चा हुई। यह वन्यजीव अभ्यारण्य भी इको सेंसेटिव झोन के अंतर्गत होगा। इस वन्य जीव अभयारण्य में विभिन्न प्रकार के वन्यजीव जैसे लोमड़ी, बंदर, लंगूर, सियार सहित विभिन्न प्रकार के पक्षी भी होंगे।

इंदौर जिले में आगामी 1 अप्रैल से प्रारंभ होगा नया शैक्षणिक सत्र

इंदौर। राज्य शासन द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार इंदौर जिले में आगामी 1 अप्रैल से नया शैक्षणिक सत्र प्रारंभ होगा। सभी शासकीय विद्यालयों में पहले दिन प्रवेशोत्सव मनाया जायेगा। स्कूल आने वाले विद्यार्थियों का स्वागत-सत्कार किया जायेगा। नये शैक्षणिक सत्र के लिए सभी जरूरी तैयारियां प्रारंभ कर दी गई है।

कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने निर्देश दिये है कि नये शैक्षणिक सत्र के लिए कक्षा पहली से कक्षा 7वीं में अध्ययनरत समस्त विद्यार्थियों का कक्षा दूसरी से कक्षा 8वीं में एवं कक्षा 8वीं से कक्षा 11वीं तक अध्ययनरत समस्त विद्यार्थियों का कक्षा 9वीं से 12वीं तक में शत-प्रतिशत नामांकन की कार्यवाही 25 मार्च तक पूरी कर ली जाये। प्रत्येक विद्यालय स्तर पर गृह सम्पर्क अभियान चलाया जायें। इस अभियान में शाला त्यागी बच्चों को चिन्हित कर उनका स्कूलों में प्रवेश सुनिश्चित कराया जाये। स्कूल प्रारंभ होते ही विद्यार्थियों को पाठ्य पुस्तकों का निःशुल्क वितरण किया जाये। शाला प्रबंधन समिति की बैठक आयोजित की जाये। कक्षा संचालन के दौरान विद्यार्थियों की दक्षता में वृद्धि के प्रयास किये जाये। जॉयफुल लर्निंग के माध्यम से पढ़ाना सुनिश्चित किया जाये। ग्रीष्म अवकाश के दौरान स्थानीय, विषयगत एवं कौशल विकास के प्रोजेक्ट कार्य चिन्हित करते हुए विद्यार्थियों को दिये जाये। समय सारणी का विशेष ध्यान रखा जाये। निर्धारित पाठ्यक्रमों के अनुसार बच्चों की पढ़ाई शुरू की जाये। शाला प्रारंभ होने के दिन 1 अप्रैल को विद्यालय में प्रवेश लेने वाले नये विद्यार्थियों का स्वागत-सत्कार किया जाये।

श्री गोपाल मंदिर परिसर स्थित शॉपिंग कॉम्पलेक्स की दुकानों की लीज का अनुबंध 31 मार्च तक कराना जरूरी

इंदौर। इंदौर के श्री गोपाल मंदिर परिसर स्थित शॉपिंग कॉम्पलेक्स की विगत 6 दिसम्बर 2019 तथा ऑनलाईन दिनांक 19 अगस्त 2020 एवं दिनांक 04 अगस्त 2021 से क्रमशः लॉटरी एवं निविदा पद्धति से आवंटित दुकानों के समस्त आवंटितों से आग्रह किया गया है कि वे आगामी 31 मार्च 2025 तक दुकानों की निर्धारित राशि /प्रीमियम राशि /अमानत राशि /प्रतिमाह किराया राशि की बकाया राशि का शत-प्रतिशत भुगतान अनिवार्य रूप से करें। यदि कोई आवंटिती निर्धारित अवधि में उक्त राशि जमा करने में असमर्थ रहता है, तो उसका आवंटन स्वमेव निरस्त माना जायेगा। श्री गोपाल मंदिर इंदौर परिसर स्थित शॉपिंग काम्पलेक्स में लॉटरी एवं निविदा पद्धति से आवंटित दुकानों के समस्त आवंटितों से यह भी कहा गया है कि समस्त आवंटिती 31 मार्च, 2025 तक लीज अनुबंध निष्पादित कराया जाना सुनिश्चित करें। यदि कोई आवंटिती इस समयावधि में लीज अनुबंध निष्पादित नहीं कराता है, तो उसका आवंटन स्वमेव निरस्त माना जायेगा एवं रिक्त दुकानों को निविदा प्रक्रिया के माध्यम से पुनः आवंटित किया जायेगा।

पीआईएमआर में बौद्धिक संपदा अधिकार पर कार्यशाला का आयोजन

इंदौर। प्रेस्टिज इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड रिसर्च, इंदौर के कंप्यूटर साइंस एंड एनालिटिक्स विभाग द्वारा राजीव गांधी राष्ट्रीय बौद्धिक संपदा प्रबंधन संस्थान, भारत सरकार के सहयोग से बौद्धिक संपदा अधिकार, पेटेंट और डिज़ाइन फाइलिंग पर एक विशेष ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया।

इस कार्यशाला के मुख्य वक्ता, आरजीएनआईआईपीएम, नागपुर के पेटेंट्स एवं डिज़ाइन्स के सहायक नियंत्रक ने बौद्धिक संपदा अधिकार, पेटेंट और डिज़ाइन फाइलिंग के महत्व पर गहन जानकारी साझा की। उन्होंने पेटेंट और डिज़ाइन पंजीकरण की प्रक्रिया को सरल एवं व्यावहारिक ढंग से समझाया। साथ ही, उन्होंने नवाचार-आधारित अर्थव्यवस्था में बौद्धिक संपदा की सुरक्षा को अत्यंत आवश्यक बताते हुए पेटेंट और डिज़ाइन फाइलिंग के लिए कानूनी ढांचे और सर्वोत्तम प्रक्रियाओं पर मार्गदर्शन प्रदान किया।

कार्यशाला के समन्वयक डॉ. आलोक बंसल और डॉ. श्वेता मोगरे ने बताया कि कार्यशाला का उद्देश्य छात्रों और संकाय सदस्यों में बौद्धिक संपदा अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाना, पेटेंट और ढ्ढक्कक्षेत्र में संभावित करियर के अवसरों को उजागर करना, और अनुसंधान आधारित नवाचार को प्रोत्साहित करना था। कार्यशाला विशेष रूप से उन विद्यार्थियों, नवोदित उद्यमियों, शोधकर्ताओं और व्यवसायिक पेशेवरों के लिए उपयोगी रही, जो अपनी खोजों और नवाचारों को प्रतिस्पर्धी बाजार में सुरक्षित रखने के इच्छुक हैं।

इस ऑनलाइन कार्यशाला में 800 से अधिक एमबीए द्वितीय सेमेस्टर के छात्रों ने देशभर से वर्चुअली भाग लिया। कार्यक्रम में विशेष रूप से समूह निदेशक डॉ. एस. एस. भाकर, ढ्ढन्नष्ट निदेशक, रजिस्ट्रार, संकाय सदस्य और शोध सहयोगी उपस्थित रहे।

इंदौर की पहचान रंगपंचमी की तैयारियां अंतिम दौर में

इंदौर। इंदौर में 19 मार्च बुधवार को परम्परागत रूप से रंगपंचमी की गेरें निकलेंगी। कलेक्टर श्री आशीष सिंह और पुलिस कमिश्नर श्री संतोष सिंह ने अधिकरियों के दल और गेर आयोजकों के साथ गेर मार्ग का निरीक्षण कर तैयारियों को अंतिम रूप दिया। इस दौरान नगर निगम आयुक्त श्री शिवम वर्मा, अपर पुलिस आयुक्त श्री अमित सिंह, एडीएम श्री रोशन राय सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

कलेक्टर श्री आशीष सिंह और पुलिस कमिश्नर श्री संतोष सिंह ने निर्धारित गेर मार्गों का निरीक्षण किया और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। बताया गया कि विद्युत सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। जीर्ण-शीर्ण भवनों पर विशेष निगरानी रखी जायेगी। इन भवनों पर सूचना पटल भी लगाये जायेंगे। बताया गया कि पूरे मार्ग पर सभी आवश्यक बंदोबस्त किये जा रहे हैं। सुरक्षा के भी पुख्ता इंतजाम रखें जायेंगे। कलेक्टर श्री सिंह ने बताया कि पूरे मार्ग पर ?निगरानी के लिये सीसीटीवी कैमरे लगाये जा रहे हैं। साथ ही कंट्रोल रूम भी बनाया जा रहा हैं। बेरिकेटिंग की भी व्यवस्था रहेगी। आकस्मिक चिकित्सा के लिये भी प्रबंध किये जा रहे हैं। निर्धारित स्थानों पर एम्बुलेंस और अग्निशमन वाहनों की व्यवस्था भी रहेगी। इंदौर शहर की इस पहचान के त्यौहार को देखने के लिए गेर मार्ग के भवनों पर नागरिकों के लिए बैठने की भी व्यवस्था की जा रही है।

बताया गया कि इंदौर शहर की परंपरागत रंग पंचमी 19 मार्च की विशेष गेर के लिए मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी की शहर वृत्त टीम ने विशेष रूप से तैयारी की हैं। जिला प्रशासन, नगर निगम, पुलिस के अधिकारियों के साथ टोरी कार्नर, मल्हारगंज से लेकर राजबाड़ा, कृष्णपुरा तक के गेर मार्ग का निरीक्षण किया गया। गेर के मार्ग पर केबल व तार पर्याप्त व सुरक्षात्मक ऊंचाई पर किए गए हैं, वहीं कुछ स्थानों पर ट्रांसफार्मर के पुराने, क्षतिग्रस्त बॉक्स बदले गए है। सुभाष चौक जोन पर बिजली कंपनी का अस्थाई कंट्रोल रूम कार्यरत रहेगा। विभिन्न ग्रिड, ट्रांसफार्मरों के पास बिजली कर्मचारी तैनात रहेंगे। शहर अधीक्षण यंत्री श्री मनोज शर्मा ने बताया कि ऐतिहासिक गेर के दौरान फायर फायटर से 100 से 150 फीट की ऊंचाई तक रंग उड़ाया जाएगा। इस दौरान सुरक्षात्मक कारणों से 11 केवी लाइन के कुल 14 फीडरों से अलग-अलग समय पर बिजली प्रदाय बंद किया जाएगा।

डॉ. कविता बापट बनीं इंदौर की पहली महिला अध्यक्ष

इंदौर। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (इंदौर) के 2026-2027 के लिए डॉ. कविता बापट को सर्वसम्मति से निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया है। डॉ. बापट एक प्रख्यात स्त्री रोग विशेषज्ञ हैं और बापट हॉस्पिटल की डायरेक्टर के रूप में कार्यरत हैं।

उनकी यह उपलब्धि आईएमए इंदौर के इतिहास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, क्योंकि इस संगठन में पहली बार किसी महिला को अध्यक्ष पद के लिए चुना गया है। यह घटनाक्रम महिलाओं की अग्रणी भूमिका को प्रोत्साहित करता है और उनके नेतृत्व के क्षेत्र में बढ़ते कदमों को दिखाता है।

डॉ. बापट के महत्वपूर्ण कार्य -डॉ. कविता बापट स्त्री रोग विशेषज्ञ के रूप में अपनी पहचान बना चुकी हैं और उन्हें देशभर में सम्मान प्राप्त है। वे फेडरेशन ऑफ गायनेकोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रह चुकी हैं। उनकी चिकित्सा सेवाओं और योगदान के लिए उन्हें कई पुरस्कारों से नवाजा गया है। उनकी विशेषज्ञता और समर्पण ने उन्हें स्त्री रोग के क्षेत्र में एक प्रतिष्ठित स्थान दिलाया है। इसके अलावा, वे ब्रेस्ट सोसायटी, यूरोगायनोलॉजिकल कमेटी, वेजाइनल सर्जरी, AM POG, SOVSI, और LAGE जैसे राष्ट्रीय स्त्री रोग संगठनों से जुड़ी हुई हैं और सक्रिय रूप से उनकी गतिविधियों में भाग ले रही हैं। संपादकीय और पुरस्कारों में योगदान

पिंटू की पप्पी ने बदल दी जिंदगी, सितारों को देखने के लिए इंदौर में उमड़ी भीड़

पिंटू की पप्पी इस साल की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक मानी जा रही है, जिसमें शानदार तिकड़ी शुशांत थामके, जान्या और वीधी नजर आएंगे। फिल्म का क्रेज हर दिन बढ़ता जा रहा है। मुंबई, दिल्ली और हैदराबाद में प्रमोशन के बाद अब टीम ने इंदौर में अपना जलवा बिखेरा। इंदौर में प्रमोशनल इवेंट एक भव्य सेलिब्रेशन में तब्दील हो गया, जहां हजारों की भीड़ अपने पसंदीदा सितारों की झलक पाने के लिए उमड़ पड़ी। शुशांत थामके, जान्या, वीधी और गणेश आचार्य ने अपनी जबरदस्त एनर्जी और मस्तीभरे अंदाज से दर्शकों का दिल जीत लिया।

जय श्री महाकाल ...

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृग्धरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

श्री महाकालेश्वर मंदिर में रंगपंचमी पर्व पर श्री महाकालेश्वर भगवान को केसर युक्त जल अर्पित किया जायेगा

उज्जैन । श्री महाकालेश्वर मंदिर में रंगपंचमी पर्व दिनांक 19 मार्च 2025 के उपलक्ष्य पर परम्परा के सम्यक निर्वहन हेतु भस्मार्ती एवं संध्या आरती में प्रतिकात्मक रूप से भगवान श्री महाकालेश्वर जी को 01 लोटा केसर युक्त जल अर्पण किया जावेगा। उक्त केसर युक्त जल एवं केसर का रंग मंदिर की कोठार शाखा द्वारा भस्मार्ती पुजारी एवं शासकीय पुजारी को उपलब्ध कराया जावेगा। इसके अतिरिक्त गर्भगृह, नंदी मण्डपम्, गणेश मण्डपम्, कार्तिकेय मण्डपम् एवं सम्पूर्ण मंदिर परिसर में किसी भी प्रकार का रंग-गुलाल इत्यादि ले जाना, रंग-गुलाल उड़ाया जाना, आपस में रंग-गुलाल लगाना, किसी विशेष उपकरण का उपयोग कर रंग इत्यादि उड़ाना पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा।

श्री महाकालेश्वर मंदिर में आगंतुक समस्त श्रद्धालु मंदिर में किसी प्रकार का रंग-गुलाल लेकर प्रवेश नहीं कर सकेंगे, आपस में रंग-गुलाल नहीं लगा सकेंगे। श्रद्धालुओं को जांच उपरांत ही मंदिर में प्रवेश दिया जावेगा।

श्रद्धालु मंदिर में रंग-गुलाल लेकर प्रवेश न कर सके इस हेतु समस्त द्वारो पर कार्यरत निरीक्षक एवं सुरक्षाकर्मी श्रद्धालुओं के साथ विनम्र एवं सौजन्यता पूर्वक व्यवहार बनाए रखकर, श्रद्धालुओं की सतत् जांच करने के उपरांत ही मंदिर में प्रवेश दिए जाने की व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे।

श्री महाकालेश्वर मंदिर कंट्रोल रूम में कर्तव्यरत अधिकारी व कर्मचारी कैमरो के माध्यम से समस्त द्वारो एवं सम्पूर्ण मंदिर परिक्षेत्र की सतत् निगरानी रखकर यह सुनिश्चित करेंगे की मंदिर परिसर में किसी प्रकार से रंग-गुलाल व अन्य किसी विशेष उपकरण का प्रवेश व उपयोग न होवे।

देश के आयुष मंत्री ने दिल्ली में उज्जैन के वैद्य विनोद वैरागी को फैलोशिप से किया सम्मानित

उज्जैन। देश के आयुष मंत्री श्री प्रताप राव जाधव के मुख्य आतिथ्य में नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित राष्ट्रीय आयुर्वेद विद्यापीठ की गुरू शिष्य परंपरा के अन्तर्गत 28 वें दीक्षांत समारोह में उज्जैन के वैद्य विनोद वैरागी को आयुर्वेद क्षेत्र के विकास में उत्कृष्ट योगदान के लिए फैलोशिप प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से आयुष मंत्रालय भारत सरकार के सचिव पद्मश्री डॉ. राजेश कोटेचा, राष्ट्रीय आयुर्वेद विद्यापीठ के अध्यक्ष पद्मभूषण वैद्य देवेन्द्र त्रिगुणा ने वैद्य विनोद वैरागी को शॉल, श्रीफल और पुष्पहार से सम्मानित कर फैलोशिप प्रदान की। उल्लेखनीय है कि इस 28 वें दीक्षांत समारोह में देशभर से केवल 13 लोगों को फैलोशिप सम्मान से सम्मानित किया गया। इसमें मध्यप्रदेश से वैद्य विनोद वैरागी सम्मानित होने वाले एकमात्र वैद्य हैं। वैद्य विनोद वैरागी उज्जैन के सुप्रसिद्ध पंचकर्म विशेषज्ञ हैं। आप वर्तमान में अखिल भारतीय आयुर्वेद महासम्मेलन के मध्यप्रदेश ईकाई के प्रान्तीय अध्यक्ष हैं। 28 वें दीक्षांत समारोह के अवसर पर गुजरात आयुर्वेद विश्वविद्यालय जामनगर के कुलपति डॉ. मुकुल पटेल, आयुष मंत्रालय के सलाहकार वैद्य मनोज नेसरी, भारतीय चिकित्सा पद्धति के आयोग के अध्यक्ष डॉ. जयन्त पुजारी, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान के निदेशक डॉ. संजीव शर्मा, विद्यापीठ की निदेशक डॉ. वंदना सिरोहा एवं उज्जैन के प्रसिद्ध पंचकर्म विशेषज्ञ एवं गुरू एस.एन पाण्डेय के अतिरिक्त गुरू शिष्य परंपरा के अन्तर्गत देशभर के गुरूजन एवं शिष्यगण तथा गणमान्य वैद्य उपस्थित थे।

रंग पंचमी पर होली खेलने देवगण भी आते पृथ्वी पर

उज्जैन। होली के 5 दिन बाद कृष्ण पक्ष की पंचमी को हम रंग पंचमी के रूप में मनाते है । रंगपंचमी को बड़े ही हर्ष और उत्साह के साथ देश और प्रदेश भर में मनाया जाता है। शास्त्रों में उल्लेखित है कि पहली बार भगवान कृष्ण ने राधा के संग कृष्ण पक्ष की पंचमी पर होली खेली थी तब धरती पर देवता गण भी कृष्ण व राधा को देख उनके साथ होली खेलने आए थे । तब से ही भगवान की भक्ति और कृष्ण राधा के प्रेम में सराबोर होकर भक्त रंगपंचमी पर एक दूसरे को रंग गुलाल लगाकर होली खेलकर यह उत्सव मनाते आए है । परंपरा गत आज भी देव गण होली खेलने कृष्ण राधा के मंदिर में जाते है । इसी कारण कृष्ण के मंदिरों में रंगपंचमी की धूम रहती है ।

पुलिस के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ हुई घटना को लेकर पुलिस पेंशनर संघ ने रंग पंचमी त्यौहार नहीं मनाएगा

उज्जैन । दिनांक 15 मार्च को जिला मऊगंज रायसेन, ग्वालियर एवम इंदौर में पुलिस प्रशासन के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ हुई घटना के संबंध में मध्य प्रदेश पुलिस पेंशनर संघ के प्रांतीय अध्यक्ष महेंद्र प्रताप सिंह परिहार द्वारा काफी रोष व्यक्त किया गया है। मध्य प्रदेश पुलिस पेंशनर संघ के अध्यक्ष प्रमोद सिंह भदोरिया एवं प्रांतीय मीडिया प्रभारी अखिलेश तिवारी ने जानकारी देते हुए बताया कि उज्जैन सहित पूरे मध्य प्रदेश में पुलिस पेंशनर संघ के द्वारा 19 मार्च को रंग पंचमी का त्यौहार नहीं मनाया जाएगा। संपूर्ण मध्य प्रदेश के किसी भी जिले में पुलिस पेंशनर संघ के सदस्यों द्वारा रंग पंचमी का त्यौहार नहीं मनाया जाएगा। यह निर्णय प्रांतीय अध्यक्ष महेंद्र प्रताप सिंह परिहारके नेतृत्व में पेंशनर संघ के 70000 हजार सदस्यों ने एक साथ निर्णय लिया है।

कलागुरु प्रो. रामचंद्र भावसार की स्मरणांजलि में हुआ प्रो. आलोक भावसार का सारस्वत सम्मान

उज्जैन। कलागुरु स्वर्गीय प्रोफेसर रामचन्द्र भावसार के नब्बेवे जन्मदिवस पर कालिदास संस्कृत अकादमी के अभिरंग सभागृह में स्मरणाजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें मध्यप्रदेश के अनेक चित्रकारों ने भागीदारी की।

कार्यक्रम का शुभारंभ कवि कुलगुरु कालिदास के मूर्ति शिल्प एवं प्रो. रामचंद्र भावसार के व्यक्ति चित्र पर माल्यार्पण कर के किया गया। सांसद अनिल फ़ीरोज़िया की माताजी ने समस्त अतिथियों के साथ दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर डॉ. रामचन्द्र भावसार के पुत्र भोपाल के प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस, शा. हमीदिया महाविद्यालय के चित्रकला के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर आलोक भावसार का कला के क्षेत्र में किये गए अवदान कि लिये सारस्वत सम्मान किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि पूर्व संभागायुक्त एवं महर्षि पाणिनि संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मोहन गुप्त ने प्रोफेसर रामचंद्र भावसार की सृजन यात्रा में उनके साथ बिताए हुए अनेक संस्मरणों को सुना कर दर्शकों और श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर सारस्वत अतिथि प्रो. हरिमोहन बुधौलिया, पूर्व विभागाध्यक्ष हिन्दी अध्ययन शाला, विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन ने प्रोफेसर रामचन्द्र भावसार के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए उनके साथ विश्वविद्यालय में सेवारत रहते हुए अनेक संस्मरणों को सुनाया, कुलगुरु प्रो अर्पण भारद्वाज नें माधव विज्ञान महाविद्यालय परीसर में प्रोफेसर भावसार द्वारा सृजित स्वामी विवेकानन्द जी के मूर्ति शिल्प एवं वाग्देवी माँ सरस्वती के चित्र का उल्लेख करते हुए उनके अवदान पर प्रकाश डाला।

प्रोफ़ेसर रामराजेश मिश्र ने विक्रम विश्वविद्यालय परिसर में उनके कुलपति कार्यकाल में कलागुरु रामचन्द्र भावसार द्वारा सृजित एवं निर्मित सम्राट विक्रमादित्य के विशाल एवं भव्य मूर्तिशिल्प की सृजन यात्रा को विस्तार से रेखांकित करते हुए प्रो भावसार के सहज और सरल व्यक्तित्व को प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ. श्रीकृष्ण जोशी ने बताया कि डॉ. भावसार उनके अग्रज थे एवं उन्होंने लंबे समय तक प्रो भावसार के साथ कार्य किया था, संस्कृत आचार्य प्रो. केदारनारायण शुक्ल ने संस्कृत के अनेक श्लोकों के साथ कला के क्षेत्र में प्रो. भावसार अनेक कीर्तिमानों को रेखांकित किया। प्रो शिव चौरसिया ने मालवा की लोक कला के माध्यम से सृजनकार प्रो. भावसार के योगदान को दर्शाया एवं अनेक चित्रित लोक कथाओं के उदाहरण प्रस्तुत किये, अकादमी के निर्देशक डॉ. गोविंद गंधे ने प्रो. भावसार से उनके संबंधों की चर्चा करते हुए कलाशिवीरों में प्रो. भावसार के योगदान को बताया, अकादमी की उपनिदेशक डॉ योगेश्वरी फिरोजिया ने अपने गुरु एवं माता के योगदान को सभा के सामने प्रस्तुत किया।

एक दिवसीय शूटिंग बॉल प्रतियोगिता का आयोजन हुआ

उज्जैन। शास्त्री नगर मैदान पर उज्जयिनी स्पोर्ट्स क्लब द्वारा एक दिवसीय शूटिंग बॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें मध्य प्रदेश की 22 टीम ने भाग लिया। आयोजन समिति की और से अधिवक्ता ललित सिंह चौहान ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि के रूप में डॉ जया मिश्र, डॉ कात्यायान मिश्र, एडिशनल एस पी नीतेश भार्गव एवम अनिल सिंह चंदेल उपस्थित रहे। जिनका संस्था द्वारा स्वागत किया गया। शूटिंग बॉल प्रतियोगिता में सुबह 10ः00 बजे से रात्रि 12ः00 बजे तक खेल का आयोजन चलता रहा। जिसमें विजेता पिपलियाहाना, उपविजेता विजय स्पोर्ट्स उज्जैन और मंदसौर और सीटीसी इंदौर तीसरे स्थान पर संयुक्त विजेता रही। जिनका संस्था द्वारा ट्रॉफी व नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ जया मिश्र ने कहां की इस तरह खेलों के आयोजन करते रहना चाहिए जिससे आने वाली पीढी नशे से दूर रहकर खेलों की ओर अग्रसर होगी। डॉ मिश ने खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि मन लगाकर खेले और अपने परिवार, गांव और जिले का नाम रोशन करें। उन्होंने सभी लोगों से भी अपील की कि वे खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करें और उनके साथ सौहार्दपूर्ण संबंध बनाएं।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com